

जेपी नड्डा के साथ योगी ने सुनी मोदी के मन की बात

लखनऊ, प्रयागराज के मिलेट्स व काशी तमिल संगमम की विशेष चर्चा



लखनऊ। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 108वें संस्करण को सुना। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक होटल में मन की बात का सजीव प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात में 2023 की उपलब्धियों की चर्चा की। वहीं उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष में विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप की चर्चा करते हुए इसे लाइफटाइम हेल्थ इनोवेशन की दिशा में बड़ा कदम बताया।

यूपी के स्टार्टअप और काशी तमिल संगमम की पीएम

ने की विशेष चर्चा- लाइफटाइम हेल्थ इनोवेशन पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए पीएम ने फिट इंडिया मूवमेंट की भी चर्चा की। वहीं इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स में लखनऊ के स्टार्टअप फूड्स, प्रयागराज के ग्रेड मास्लेट्स और न्यूट्रिफूड्स जैसे कई स्टार्टअप की तारीफ भी की। प्रधानमंत्री ने हाल ही में काशी तमिल संगमम के दौरान एआई तकनीक की मदद से हुए उनके रियल टाइम हिन्दी और तमिल संबोधन को भी क्रांतिकारी बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि काशी तमिल संगमम में हुए इस इनोवेशन से आने वाले समय में स्कूलों, अस्पतालों और न्यायालयों में बहुभाषी संवाद कायम करने में

बहुत मदद मिलेगी। पीएम ने की 2023 की बड़ी उपलब्धियों की चर्चा- प्रधानमंत्री ने इसके अलावा नारी शक्ति वंदन अधिनियम, भारत का विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना, जी-20 की सफलता, दीपावली पर रिकॉर्ड कारोबार, वोकल फॉर लोकल, चंद्रयान-3 की सफलता। ऑस्कर में नाटू नाटू और एलिफेंट व्हिस्परर्स को मिले पुरस्कार, अंतरराष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों की उपलब्धियों, क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत के शानदार प्रदर्शन की भी चर्चा की। पीएम ने आजादी का अमृत महोत्सव, मेरी माटी मेरा देश, 70 हजार अमृत सरोवरों के निर्माण को

सामूहिक उपलब्धि बताया। पीएम ने कहा कि हमें 2023 की उपलब्धियों से प्रेरणा लेकर नये संकल्पों को लेना होगा। प्रधानमंत्री ने मेंटल हेल्थ को लेकर भी मन की बात में विशेष चर्चा की और आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए इसमें बड़े बदलावों की उम्मीद जताई। लखनऊ के प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, पूर्व डिप्टी सीएम एवं राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा, विधानपरिषद सदस्य मोहसिन रजा सहित तमाम गणमान्य मौजूद रहे।

हेवानियत: महिला को निर्वस्त्र कर पूरे गांव में दौड़ाकर पीटा



गोरखपुर। गोरखपुर के सहजनवां इलाके के एक गांव में विवाहिता को पति व देवर ने गांव में निर्वस्त्र कर पीटा। आरोप है कि देहेज की मांग पूरी न होने पर मारपीट कर गला दबाकर हत्या की भी कोशिश की गई। एसएसपी के निदेश पर पुलिस देहेज उल्पीड़न, मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जांच कर रही है। विवाहिता ने तहरीर में लिखा है कि उसकी दूसरी शादी हरपुर बुद्धत थाना क्षेत्र में हुई है। उसके दो बच्चे भी हैं। शादी के बाद पति व देवर उसे और बच्चे को मारते-पीटते थे। आरोप है कि पति व देवर ने गला दबाकर मारने की कई बार कोशिश की। दोनों ने निर्वस्त्र कर पूरे गांव में दौड़ाकर पीटा और घर से निकाल दिया। आरोप है कि हरपुर बुद्धत थाने पर कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने एसएसपी से गुहार लगाई। एसएसपी के निदेश पर सहजनवां पुलिस ने पति व उसके भाई के खिलाफ देहेज उल्पीड़न, मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

लखनऊ में महिला हॉफ मैराथन: जेपी नड्डा ने कहा, पीएम के विजन को शत प्रतिशत धरातल पर उतार रहे सीएम योगी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को दुबंगा में आयोजित महिला हॉफ मैराथन के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शत प्रतिशत धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं। सीएम योगी के नेतृत्व में यूपी आज बीमारू प्रदेश की पहचान से बाहर निकलकर देश के अग्रणी राज्यों की कतार में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा आज देश को आगे ले जाने वालों और पीछे खींचने वालों में एक बड़ी स्पर्धा चल रही है। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत और उत्तर प्रदेश को आगे ले जा रहे हैं तो वहीं राहुल गांधी और अखिलेश यादव केवल अपने परिवार को आबाद रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को लेकर आयोजित हॉफ मैराथन के इस कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश में केवल चार जातियों के बारे में बात करते हैं, जिनमें सबसे पहले महिला, दूसरी युवा, तीसरी किसान और चौथी जाति है गरीबों की। यदि हम इन चार जातियों को मजबूत करके उन्हें ताकत देते हैं तो विकसित भारत



बनने से हमें कोई रोक नहीं सकता। जेपी नड्डा ने महिला, किसान, युवा और गरीबों के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि इन्हें जमीन पर अक्षरशः उतारने का कार्य योगी आदित्यनाथ की सरकार ने बखूबी किया है। यही कारण है कि आज करोड़ों लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर बीपीएल से एपीएल श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने फिट इंडिया और खेलो इंडिया मूवमेंट की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस बात के लिए भी तारीफ की कि प्रदेश के हर जिले में सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम से लेकर गांव गांव में खेल के मैदान और ओपेन जिम बनाए जा रहे हैं। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यूपी आज विकास की नई गाथा लिख रहा है। चाहे महिला सशक्तिकरण की बात हो, माफिया राज और भ्रष्टाचार का अंत हो या

उपलब्धियों के लिए योगी आदित्यनाथ बधाई के पात्र हैं। जेपी नड्डा ने विपक्ष को देश को पीछे खींचने वाली ताकत बताया और कहा कि आज देश को आगे ले जाने वालों और पीछे खींचने वालों के बीच स्पर्धा चल रही है, जहां इंडी अलायंस मोदी को रोक-रोको की रट लगाए है, वहीं हमारी स्पर्धा है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत को आगे ले जाए। जिन लोगों ने भारत को तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी आज वो भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं, जिन्होंने अन्याय व अन्याय किया वो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। जो परिवार से बाहर किसी की कल्पना नहीं करते थे वो अचानक देश की बात कर रहे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी और योगी के नेतृत्व में आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी में पूरी की पूरी सीट लेकर आएंगे।

'दुनिया ने देखी भारत की रचनात्मकता', पीएम मोदी ने की 'नाटू-नाटू' और 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' की तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को इस साल आखिरी बार जनता से मन की बात की। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में ऑस्कर पुरस्कार विजेता "आरआरआर" का गाना 'नाटू-नाटू' और शांत डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनके जरिए दुनिया ने भारत की रचनात्मकता को देखा। मन की बात के 108वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने 'नाटू-नाटू' और 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' का जिक्र करते हुए कहा, 'दुनिया ने भारत की रचनात्मकता क्षमता को देखा और मनोरंजन उद्योग के माध्यम से पर्यावरण के साथ हमारे संबंध को भी समझा। जब 'नाटू-नाटू' को ऑस्कर मिला, तो पूरा देश खुशी

से झूम उठा। वहीं, 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' को मिले सम्मान के बारे में सुनकर कौन खुश नहीं हुआ? गौरवलाभ है कि 95वें ऑस्कर अवार्ड्स में चार्टबस्टर गाना 'नाटू नाटू' ने बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का



अवार्ड जीता। इसे एमएम कोरावनी और चंद्रबोस ने बनाया था। इसके साथ ही एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' देश में ऑस्कर लाने वाली पहली भारतीय फीचर फिल्म बन गई। इसके अलावा नेटफ्लिक्स की तमिल

डॉक्यूमेंट्री 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री में ऑस्कर जीतने वाली पहली भारतीय प्रोडक्शन भी बन गई। इस कार्टिकी गॉसाल्वेस ने निर्देशित किया था वहीं, गुनीत मोंगा इसकी निर्माता थीं। वहीं, मन की बात के प्रसारण के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने फिटनेस टिप्स भी साझा किए। उन्होंने कहा, 'शारीरिक फिटनेस पर जरूर ध्यान दें। फिल्टर जीवन न जिएं, फिल्टर जीवन जिएं।'

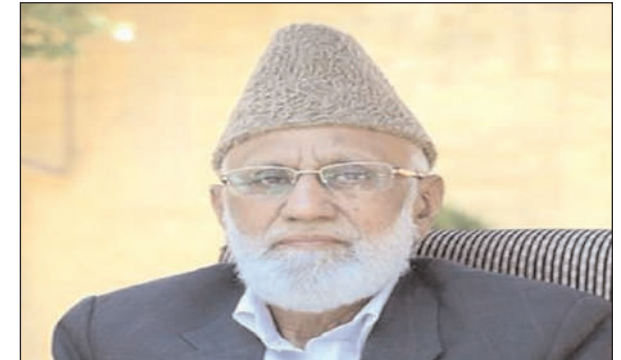
दुश्मनों की अब खेर नहीं, वापे-वापे पर नौसेना की पैनी नजर; समुद्री सुरक्षा के लिए डिस्टॉयर तैनात

नई दिल्ली। भारतीय तट पर व्यापारिक जहाजों पर हुए हालिया हमलों के बाद नौसेना ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं और क्षेत्र में रविवार को 'डिस्टॉयर' और 'फ्रिगेट्स' वाले वर्क फोर्स को तैनात किया है। नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि वर्क फोर्स को समुद्री सुरक्षा अभियान चलाने और किसी भी घटना की स्थिति में व्यापारी जहाजों को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए तैनात किया गया है। रशअसल, नौसेना ने यह निर्णय लाल सागर, अदन की खाड़ी और मध्य अरब सागर में मालवाहक जहाजों पर हुए हमलों के बीच लिया है। जिन जहाजों को निशाना बनाया गया था उनमें एमवी केम प्लूटो भी शामिल था। एमवी केम प्लूटो पर 23 दिसंबर को झेन हमला हुआ था। यह मालवाहक भारतीय तटरक्षक जहाज विक्रम की सुरक्षा में मुंबई बंदरगाह पहुंचा था। इस मालवाहक में 21 भारतीय सवार थे। इससे पहले 14 दिसंबर को अरब सागर में एक अन्य जहाज एमवी रूपन का अपहरण

कर लिया गया था। समुद्री सुरक्षा के लिए वर्क फोर्स तैनात- बकोल नौसेना अधिकारी, भारतीय तट से लगभग 700 समुद्री मील दूर एमवी रूपन पर समुद्री डकेती की घटना और पोरबंदर से लगभग 220 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में एमवी केम प्लूटो पर हुए हालिया झेन हमले भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र के करीब समुद्री घटनाओं में बदलाव का संकेत दे रहे हैं। अधिकारी ने कहा, समुद्री सुरक्षा अभियान चलाने और किसी भी घटना की स्थिति में व्यापारिक जहाजों को सहायता मुहैया कराने के लिए 'डिस्टॉयर' और 'फ्रिगेट' वाले वर्क फोर्स को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष आर्थिक क्षेत्र की निगरानी के लिए नौसेना भारतीय तटरक्षक बल के साथ निकट समन्वय में काम कर रही है। बता दें कि चपे-थपे पर समुद्र की सुरक्षा के मद्देनजर हवाई निगरानी बढ़ाई गई है। इसमें गश्ती विमान और आरपीए अहम भूमिका अदा कर रहे हैं।

तहरीक-ए-हुर्रियत पर लगा प्रतिबंध, कश्मीर में इस्लामिक शासन लागू करना चाहता है यह संगठन

नई दिल्ली। सरकार ने जम्मू कश्मीर के संगठन तहरीक ए हुर्रियत पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूपीए कानून के तहत यह कार्रवाई की गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह जानकारी दी। गृहमंत्री ने बताया कि यह संगठन गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल है और जम्मू कश्मीर को भारत से अलग करके राज्य में इस्लामिक शासन स्थापित करना चाहता है। तहरीक ए हुर्रियत का गठन भारत के खिलाफ प्रोपेगैंडा फैलाने और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया गया था। गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में बताया कि 'तहरीक ए हुर्रियत, जम्मू कश्मीर को यूपीए के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित किया गया है। पीएम नरेन्द्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति के तहत कोई भी व्यक्ति या संगठन अगर भारत विरोधी गतिविधियों में संलग्न पाया



जाएगा तो उसे नेस्तानाबूत कर दिया जाएगा। जम्मू कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने साल 2004 में तहरीक ए हुर्रियत का गठन किया था। गिलानी के बाद तहरीक ए हुर्रियत के अध्यक्ष मुहम्मद अशरफ सेहराई थे, जिनका भी साल 2021 में निधन हो गया। यह संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस का सहयोगी संगठन है। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर के 26 संगठनों का समूह है, जिसका

गठन 1993 में किया गया था। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस में कई ऐसे संगठन शामिल हैं, जो पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी माने जाते हैं। इनमें जमात ए इस्लामी, जेकेएलएफ और दुखतरान ए मिल्लत आदि का नाम शामिल है। साल 2005 में हुर्रियत कॉन्फ्रेंस को धड़ों में बंट गया। इसके नरमपंथी गुट का नेतृत्व मीरवाइज उमर फारुख को मिला। वहीं चरमपंथी गुट का नेतृत्व सैयद अली शाह गिलानी ने किया।

तीन और सैन्य जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करेगा उत्तर कोरिया, किम जोंग की चाहत दक्षिण कोरिया पर कब्जा

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अगले साल तीन और सैन्य जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। कोरियाई न्यूज एजेंसी केसीएनए के हवाले से यह खबर सामने आई है। बोते महीने ही उत्तर कोरिया ने सफलतापूर्वक अपनी पहली सैन्य जासूसी सैटेलाइट लॉन्च की थी। अपनी सेना को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से उत्तर कोरिया इन सैन्य जासूसी सैटेलाइट को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। किम जोंग उन ने वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की सेंट्रल कमिटी की पांच दिवसीय बैठक के दौरान यह लक्ष्य रखा। बोते महीने उत्तर कोरिया ने दावा किया था कि उसने अपनी टोही सैन्य सैटेलाइट से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य ठिकानों की तस्वीरें ली हैं। बीती 21 नवंबर को उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य जासूसी सैटेलाइट मॉनिग्यांग-1 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित किया था। इससे पहले मई और अगस्त में इसकी कोशिश विफल रही थी। इस सफलता से उत्साहित

किम जोंग उन ने अगले साल तीन और सैन्य जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। रिपोर्ट के अनुसार, किम जोंग उन ने बैठक के दौरान कहा कि 'हमें परमाणु खतरे पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए और परमाणु बल समेत सभी भौतिक बलों को जुटाकर अपनी तैयारियों को बेहतर करने की जरूरत है ताकि पूरे दक्षिण कोरिया को अपने नियंत्रण में किया जा सके।' कोरियाई तानाशाह ने अनमैन्ड आर्म्ड एरियल व्हीकल को भी विकसित करने की जरूरत बताई। किम ने कहा कि वह कोरिया को अब एकजुट करने पर सहमत नहीं हैं और दक्षिण कोरिया का उत्तर कोरिया से एकिकरण अब संभव नहीं है। इससे साफ है कि दोनों देशों के रिश्ते इस साल भी तनावपूर्ण रह सकते हैं। उत्तर कोरिया अपने परमाणु मिसाइलों के विकास पर फोकस कर रहा है। किम ने धमकी देते हुए कहा कि 'अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने हमारे खिलाफ सैन्य कार्रवाई की तो हम परमाणु हमला करने से नहीं हिचकेंगे।'

पीएम नेतन्याहू की खुली धमकी, कई और महीनों तक जारी रहेगा गाजा में हमास के साथ युद्ध

यरुशलम। हमास और इस्राइल के बीच दो माह से अधिक समय से जंग जारी है। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के हजारों लोगों की मौत हो गई है। जहां इस्राइल ने हमास को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। वहीं, अब आतंकी समूह भी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल न तो जंग की रफ्तार कम हो रही है और न ही लोगों की जान की परवाह की जा रही है। इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मित्र के साथ गाजा पट्टी की सीमा पर फिर से नियंत्रण करने का संकल्प लिया है। इससे हमलों में तेजी आ गई है।

सात अक्तूबर को हुआ हमला अब भी जारी- गौरतलब है, हमास ने गाजा से सात अक्तूबर को अचानक थोड़े-थोड़े अंतराल पर इस्राइली शहरों पर ताबड़तोड़ करीब 5,000 रॉकेट दाग दिए थे। वहीं नहीं, हमास के बंदूकधारी इस्राइली शहरों में भी घुस आए थे और कुछ सैन्य वाहनों पर कब्जा कर हमले किए थे। इस दौरान कई इस्राइली सैनिकों को

बंदक भी बना लिया गया। इस्राइल और फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास के बीच युद्ध में अब तक 21000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमास की तरफ से अचानक किए गए हमलों में इस्राइल के 1200 से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। वहीं, इस्राइल की ओर से पलटवार में गाजा पट्टी से करीब 20,900 मौतों की जानकारी सामने आई है। फिलाडेल्फी कारिडोर हमारे कब्जे में हो- इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। इस

दौरान उन्होंने कहा, 'मित्र से सटे गाजा की सीमा के साथ लगने वाला फिलाडेल्फी कारिडोर बफर जोन या इसे सही ढंग से कहें दक्षिणी ठहराव बिंदु हमारे हाथों में होना चाहिए। इसे बंद किया जाना चाहिए। यह स्पष्ट है कि कोई अन्य व्यवस्था उस विवेकीकरण को सुनिश्चित नहीं करेगी जो हम चाहते हैं।' युद्ध अपने चरम पर- उन्होंने कहा, 'युद्ध अपने चरम पर है। हम सभी मोर्चों पर लड़ रहे हैं। जीत हासिल करने के लिए समय की आवश्यकता होगी। जैसा कि इस्राइली रक्षा बलों का कहना है कि युद्ध कई और महीनों तक जारी रहेगा।' इरान को खुली धमकी- उन्होंने इस्राइली-लेबनान सीमा पर लगभग हर दिन हो रही गोलीबारी को लेकर उन्होंने इरान पर सीधा हमला करने की धमकी दी। नेतन्याहू ने कहा, 'अगर हिजबुल्ला युद्ध को बढ़ाता है तो उसे ऐसे झटके झेलने पड़ेंगे, जिसके बारे में उसने सपने में भी नहीं सोचा होगा।'

पार्षदों की पिटाई का मामला: सपा विधायक अतुल प्रधान बोले- शिक्षा माफिया MLC और मंत्री की संपत्ति को हो जांच

मेरठ। मेरठ नगर निगम मारपीट प्रकरण में विधायक अतुल प्रधान और पूर्व विधायक राजेंद्र शर्मा रविवार को एसएसपी से उनके कार्यालय में मिले। इस दौरान उन्होंने एसएसपी से इस मामले में आरोपी एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज और मंत्री सोमेंद्र तोमर समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने उन्हें निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया है। एसएसपी से मिलकर बाहर निकले अतुल प्रधान ने कहा कि इस मामले को लेकर पूरा विपक्ष एकजुट है और अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। भाजपाइयों की ज्यादातर बढ़ गई है इसका मुहताब जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा भाजपा के एमएलसी और मंत्री ने सदन की गरिमा को तार-तार कर दिया। इस दौरान पुलिस के हाथ बांधे मुकदशा बनी रही और पार्षद सदन से लेकर सड़क तक पीटते रहे। पूरी घटना कैमरों में कैद है। पार्षदों पर छेड़छाड़ का आरोप बेबुनियाद है। शिक्षा और भू माफिया एमएलसी व मंत्री की संपत्ति की जांच होनी चाहिए।



पार्षद इनके खिलाफ पोल खोल अभियान चलाएंगे। निगम की बैठक में शनिवार को हुए बवाल और दो पार्षदों को वैडुकर पीटने के मामले में दिल्ली गेट थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने तहरीर पर आईपीसी की धारा 147, 323, 504, 506 और एससी-एससी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की है। एसएसपी रोहित सिंह सजवान ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी जांच की जाएगी। इसके अलावा नगर आयुक्त से भी रिपोर्ट मांगी गई है कि वे कमेटी से जांच करवाकर पूरे घटना की वजह का पता करें। भाजपा पार्षद की तरफ से दी गई तहरीर पर एसएसपी का कहना है कि उसकी जांच की जा रही है। जो भी सामने आएगा उसके अनुषंग कार्य किया जाएगा।

संपादकीय

अरब, ईरान, इजरायल के चक्कर में भारत पर आफत

उत्तरी हिंद महासागर से लाल सागर तक फैले समुद्री क्षेत्र में दो सप्ताहांत हुए हमलों ने भारत के लिए एक गंभीर सुरक्षा दुविधा खड़ी कर दी है। पहले भारत की ओर जा रहे एमवी केम प्लूटो पर प्रॉजेक्टाइल से हमला किया गया। इसके चालक दल में 21 भारतीय थे। फिर कुछ ही घंटों बाद दक्षिणी लाल सागर में 25 भारतीयों के साथ जा रहे कच्चे तेल के टैंकर एमवी साई बाबा पर ड्रोन हमला हुआ। यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से अब उन जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है जिनका इजरायल से कोई संबंध नहीं है। इससे संदेह बढ़ गया है कि हूतियों के ईरानी समर्थक रणनीतिक उद्देश्यों के लिए विद्रोहियों को टारगेट्स की लिस्ट दे रहे हैं। हालांकि, तेहरान इसे सिरे से खारिज करता है। बात कुछ भी हो, भारत को भारतीय चालक दल और तिरंगे वाले या जिनमें भारत का माल जा रहा हो, उन जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान से बातचीत करनी चाहिए। लेकिन अरब देशों के साथ प्रगाढ़ होते संबंधों के साथ-साथ इजरायल के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों के कारण पिछले कुछ वर्षों में नई दिल्ली के तेहरान के साथ संबंध खराब हो गए हैं। अमेरिका ने हाल ही में एक बहुराष्ट्रीय नौसेना बल ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन (ओपीजी) का प्रस्ताव दिया था। डेनमार्क की बड़ी शिपिंग कंपनी मस्क ने कहा कि वह ओपीजी के संरक्षण में लाल सागर से आवागमन फिर से शुरू करेगा। हालांकि, कई समस्याएं हैं। जहाजों की उपलब्धता की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई देश वर्षों से इस क्षेत्र में समुद्री डकैतों से जूझ रहे हैं और उनके खिलाफ अभियानों में लगे हुए हैं। लेकिन अरब देश यमन पर हमला करना नहीं चाहते हैं क्योंकि यमन भी एक अरब देश ही है। इसी तरह, कुछ देश इजरायल के फायदे में काम करते हुए दिखना नहीं चाहते हैं जबकि कुछ ईरान से जुड़े एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष से बचने की कोशिश कर रहे हैं। चीन अपने हितों पर खतरा भांप रहा है, बावजूद इसके वह ओपीजी में शामिल नहीं हुआ है। इस वजह से समस्या में एक जियो-पॉलिटिकल एंगल भी जुड़ गया है। ईरान चीन और रूस के साथ अपने प्रतिनिधियों के जरिए अपनी विघटनकारी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहा है। भारत को अपने शिपिंग इंस्ट्रुक्ट्स की रक्षा के लिए क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना को इस प्रयास में बढ़-चढ़कर योगदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

देखो नया साल!



आया नया साल है ।

लें इसका आनंद ॥

खूब बिखेरें खुशियां ।

ना हो अन्तर्द्वंद ॥

सोचा जो भी करने को ।

देना मूर्तरूप ॥

बने सारे काम ।

आप के अनुरूप ॥

ठान कर हैं बैठे ।

करना है कमाल ॥

कर गया प्रवेश ।

देखो नया साल ॥

मनोकामना पूर्ण हो ।

है ऐसी अभिलाषा ॥

बढ़ जाए उत्साह ।

फटके ना निराशा ॥

-कृष्णोन्द्र राय

भारत के लिए वर्ष 2024 भी सुनहरा वर्ष साबित होने जा रहा है

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के कुछ देश वर्ष 2024 में मंदी की मार झेल सकते हैं, यह कुछ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का आंकलन है। परंतु, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था के गिरने की सम्भावनाओं के बीच एक देश ऐसा भी है, जिस पर समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक, की नजरें टिकी हैं, वह है भारत। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति समस्त विदेशी वित्तीय संस्थान आशावाण हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब भारत ही सहारा देने की क्षमता रखता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा। तीसरे, वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 16 प्रतिशत का रहने वाला है। भारत आने वाले समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के विकास में एक इंजिन के रूप में अपना योगदान देने को तैयार है।

भारत ने वर्ष 2023 में विश्व में कम होती विकास दर के बीच भी आकर्षक विकास दर हासिल की है। क्योंकि, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, लगातार कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। एक तो भारत ने आर्थिक व्यवहारों का डिजिटलीकरण किया है और इस क्षेत्र में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है, इससे आर्थिक व्यवहारों की न केवल निपुणता बढ़ी है बल्कि लागत भी बहुत कम हुई है। दूसरे, केंद्र सरकार ने देश में आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए भारी भरकम राशि का पूंजीगत खर्च किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई थी एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की जा रही है। भारत में सड़क, रेलवे एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत खर्च आगे आने वाले समय में किये जाने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच आधारभूत संरचना के विकास हेतु 70 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किया गया था परंतु वर्ष 2024 से 2030 के बीच 143 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किए जाने की योजना बनाई जा रही है। तीसरे, भारत में केंद्र सरकार ने गरीबों रेखा को कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने की भरपूर कोशिश की है, जिसका परिणाम इस वर्ग की संख्या में भारी भरकम कमी के रूप में देखने को

मिला है। और फिर, अब तो यह वर्ग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल होकर भारत में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में सहायक की भूमिका निभा रहा है, जिससे देश में ही विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में भारी वृद्धि हो रही है। इसी प्रकार, विश्व के सबसे बड़े ऑफिस कामप्लेक्स का निर्माण भारत में गुजरात राज्य के सूरत शहर में किया गया है। इस ऑफिस कामप्लेक्स में 4,500 से अधिक हीरा व्यवसायियों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस कामप्लेक्स में कच्चे हीरे के व्यापारियों से लेकर पोलिश हीरे की बिक्री करने वाली कम्पनियों के ऑफिस एक ही जगह पर स्थापित किए जाएंगे। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग के नाम से इस कामप्लेक्स, जो 67 लाख वर्गफुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है, का उद्घाटन दिसम्बर 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पन्न हुआ है। यह कामप्लेक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन

के मुख्यालय भवन से भी बड़ा है, पेंटागन के मुख्यालय को आज तक विश्व में सबसे बड़ा भवन माना जाता रहा है। इस तरह के कई व्यावसायिक केंद्र भारत में विकसित हो रहे हैं।

विश्व के अन्य देश मुद्रा स्फीति की समस्या से पिछले कुछ वर्षों से लगातार जूझते रहे हैं परंतु भारत ने इस समस्या पर भी निंत्रण प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। जुलाई 2023 में भारत में खुदरा महंगाई की दर 7.44 प्रतिशत थी जो अक्टोबर 2023 में घटकर 4.87 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। अब तो शीघ्र ही भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कमी की घोषणा कर सकता है जिससे देश में व्याज की दरें कम होना शुरू होंगी इससे निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था में और अधिक तेजी की सम्भावना बनेगी।

आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था को यदि किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह आंतरिक समस्या न होकर वैश्विक स्तर की समस्या के कारण होगी। क्योंकि, कुछ देशों, विकसित देशों सहित में मंदी की सम्भावनाएं बन रही हैं। दूसरे, रूस यूक्रेन युद्ध, हम्मस इजरायल युद्ध, चीन का अपने पड़ोसी देशों से टेंशन, यूरोपीयन देशों के आपसी झगड़े, कुछ ऐसे बिंदु हैं जो भारत की विकास दर को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यदि इन्हें समस्त कारणों से



बीते वर्ष में आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर भारत ने नई रेखाएं खींची

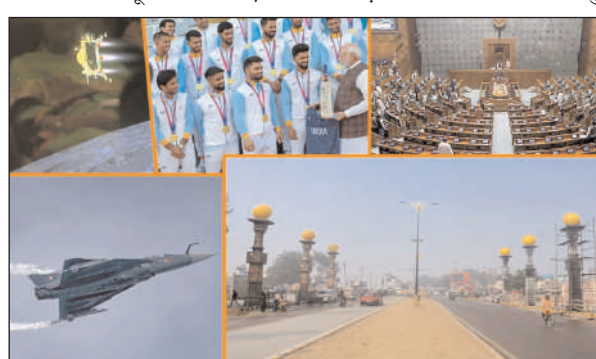
ललित गंग

बीते वर्ष में सकारात्मकता की नयी तस्वीरें सामने आयीं। ज्यादातर बड़ी सकारात्मक खबरें आर्थिक उपलब्धियों और नये राजनीतिक समीकरणों से जुड़ी हैं। साल के अंत में हुए विधानसभा चुनावों, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, नए संसद भवन के उद्घाटन, हर क्षेत्र में स्वदेशी की शक्ति और संसदीय-राजनीति, सुप्रीम कोर्ट के कुछ बड़े फैसलों, चंद्रशेखर-3 और आदित्य एल-1 मिशन जैसी वैज्ञानिक उपलब्धियां निराशा से ज्यादा आशाभरी खबरों ने आजादी के अमृतकाल में वास्तविक रूप में अमृतमय होने के संकेत दिये हैं। भारत की दिशा एवं दशा बदल रही है। बीते वर्ष में राजनीति से लेकर सामाजिक, आर्थिक से लेकर खेल तक, सुरक्षा से लेकर सौहार्द तक अनेक सकारात्मक दृष्टिकोण ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास को बल दिया है। चीन के हैंगज्याऊ में हुए एशियाई खेलों में कई प्रकार के रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने खेल की दुनिया में बड़ा कदम रखा। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है पदक तालिका में सौ से अधिक पदक प्राप्त करना करना। यह उपलब्धि देश के

आकार को देखते हुए पर्याप्त नहीं है, पर पिछले प्रदर्शनों से इसकी तुलना करें, तो बहुत बड़ी है। यह भारत के विकसित हो रहे बलवत् सामाजिक-आर्थिक स्तर को भी रेखांकित कर रही है। शेयर मार्केट तमाम कच्चासों को झुटलाते हुए उच्चस्तर पर बना हुआ है। जोड़ियों में बढ़ोतरी हो रही है, साथ ही जीएसटी कलेक्शन भी बढ़ा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में 20 माह के उच्चतम स्तर 616 अरब डॉलर हो गया है। 25 मार्च, 2022 के बाद का यह उच्चतम स्तर है।

आत्मनिर्भर बनने के संकल्प के पथ पर लौड़ रहे भारत ने हर क्षेत्र में स्वदेशी का लोहा मनवाया है। हमने युद्धपोत और हल्के लड़ाकू विमान से लेकर घातक ड्रोन तक बनाया है। देश में इस्तेमाल होने वाले 99 प्रतिशत मोबाइल हम खुद बना रहे हैं। अपने बूट चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर भारत ने पूरी दुनिया को चौंकाया है। 185 से अधिक देशों को भारत स्वदेशी हथियार, उपकरण, ड्रोन, कल्पजुर्जें निर्यात कर रहा है। रक्षा उत्पादों में हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। रक्षा उत्पादों के निर्यात में वर्ष 2013-14 की तुलना में 23 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गयी है।

प्रसिद्ध लोकोक्ति है कि अपनी बुद्धि से साधु होना अच्छा, पराई बुद्धि से राजा होना अच्छा नहीं। लेकिन हम अपनी बुद्धि, कौशल एवं तकनीक से राजा बन रहे हैं। वर्ष 2023 महिलाओं की दृष्टि से ऐतिहासिक रहा। खेल, राजनीति, विज्ञान, व्यापार जैसे क्षेत्रों में महिलाओं ने खूब नाम कमाए हैं।



देश में सावित्री जिन्दल का नाम सबसे धनाढ्य महिलाओं में सामने आया, इसी तरह अनेक महिलाएं आर्थिक क्षेत्र में नये कीर्तिमान गढ़ रही हैं। इस वर्ष में महिला सशक्तिकरण का बिगुल तब बजा जब सितंबर माह में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्घोष हुआ। संसद में केंद्र सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए

33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की घोषणा की, यह ऐतिहासिक निर्णय नारी-भविष्य की तस्वीर बदल देगा। वर्तमान में लोकसभा के कुल 543 सदस्य हैं। वर्तमान में मौजूद सदस्य में महिलाएं 82 हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी होने के बाद 181 महिला सांसद होंगी। यह अंतर आंकड़ों भर का नहीं होगा अपितु

यह अंतर एक सशक्त देश की तस्वीर उकेरेगा। घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न के दाग 2023 के अध्याय को कलंकित करते हैं, परंतु राहत की बात यह है कि केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में न्याय प्रणाली में सुधार के लिए भारतीय न्याय संहिता 2023 सहित तीन विधेयक पेश किए। भारतीय न्याय संहिता 2023 स-1860 की पुरानी दंड संहिता की

जगह लेगी। भारतीय न्याय संहिता 2023 की प्रमुख शक्तियों में से एक महिला के विरुद्ध अपराधों एवं दृष्टि देने का विशिष्ट उपक्रम कहा जा सकता है। हमारे देश की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएं और आदर्श जीवन-मूल्य समृद्ध एवं सुदृढ़ रहे हैं, लेकिन पूरे सरकारों ने उनके गौरव को राजनीतिक नजरिया देते हुए धूमिल किया है। लेकिन नये राजनीतिक सोच एवं सत्ता ने भारत को अपने सांस्कृतिक एवं धार्मिक वैभव से दुनिया को आकर्षित किया है, जो बीते वर्ष की सुखद घटनाएं कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से काशी एवं अयोध्या राष्ट्रीयता का प्रतीक बनकर ये सशक्त भारत का आधार बनेंगे। इससे न सिर्फ कहां संसद के शीत सत्र में 146 सांसदों के निर्लंबन ने संसदीय राजनीति से जुड़े कुछ गंभीर सवालों की ओर इशारा किया है।

हिंसा, आतंक एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्थान एवं उन्नयन की अपूर्व परिवेश भी निर्मित किया गया, भारत के गौरव के पुनःस्थापित करने की अनूठी पहल हुई है। पांच सौ वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीमं नये वर्ष के प्रारंभ में टेंट से मंदिर में स्थापित होंगे।

वाराणसी में विश्वनाथ धाम परिसर का लोकार्पण भारत की राजनीतिक सोच को एक नया आयाम एवं दृष्टि देने का विशिष्ट उपक्रम कहा जा सकता है। हमारे देश की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराएं और आदर्श जीवन-मूल्य समृद्ध एवं सुदृढ़ रहे हैं, लेकिन पूरे सरकारों ने उनके गौरव को राजनीतिक नजरिया देते हुए धूमिल किया है। लेकिन नये राजनीतिक सोच एवं सत्ता ने भारत को अपने सांस्कृतिक एवं धार्मिक वैभव से दुनिया को आकर्षित किया है, जो बीते वर्ष की सुखद घटनाएं कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से काशी एवं अयोध्या राष्ट्रीयता का प्रतीक बनकर ये सशक्त भारत का आधार बनेंगे। इससे न सिर्फ कहां संसद के शीत सत्र में 146 सांसदों के निर्लंबन ने संसदीय राजनीति से जुड़े कुछ गंभीर सवालों की ओर इशारा किया है।

कट्टरपंथी मुस्लिम शरणार्थियों से यूरोप में बड़ी मुसीबतें

योगेंद्र योगी

यूरोपीय यूनियन के सदस्य देश लोकतांत्रिक, मानवाधिकारों की कवालत और उदारवादी चेहरा दिखाने के कारण मुस्लिम शरणार्थियों के कारण मुसीबत में फंस गए हैं। शरण लेने वाले मुस्लिम शरणार्थियों पर कट्टरपन हावी है। इन देशों के कानून मानने के बजाए शरणार्थी अपराधों में शामिल होने के साथ ही इस्लामी शासन की पैरवी कर रहे हैं। यही वजह है कि न सिर्फ यूरोपीय यूनियन बल्कि उसके कुछ देशों ने साफ तौर पर मुसलमानों से देश छोड़ कर चले जाने को कहा है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलेनी ने इस्लामिक संस्कृति को लेकर कहा कि यूरोप में इसके लिए कोई जगह नहीं है। हमारे मूल कहा कि इस्लामी संस्कृति और हमारी सभ्यता के मूल्यों और अधिकारों के बीच कोई समानता नहीं है और यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि इटली में इस्लामी सांस्कृतिक केंद्रों को सऊदी अरब फंड देता है, जहां शरिया लागू है। यूरोप में हमारी सभ्यता के मूल्यों से बहुत दूर इस्लामीकरण की एक प्रक्रिया चल रही है। इसी तरह ब्रिटिश प्रधानमंत्री रूथि सुनक ने कहा कि वह शरणार्थी सिस्टम में र्लोवर रिफॉर्म पर जोर देंगे। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि

शरणार्थियों की बढ़ती संख्या का खतरा यूरोप के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। मेलेनी की तरह ही नीदरलैंड का प्रधानमंत्री बनते ही इस्लाम विरोधी नेता गीट विल्डर्स ने उन मुसलमानों से देश छोड़? का आह्वान किया कि जो धर्मनिरपेक्ष कानूनों से अधिक कुरान को महत्व देते हैं। विल्डर्स ने तो यहां तक कह दिया कि हिन्दुओं का समर्थन करूंगा जिन पर केवल हिंदू होने के कारण बांग्लादेश, पाकिस्तान में हमला किया जाता है या मारने की धमकी दी जाती है या फिर मुकदमा चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि मेरे पास नीदरलैंड के सभी मुसलमानों के लिए एक संदेश है जो हमारी स्वतंत्रता, हमारे लोकतंत्र और हमारे मूल मूल्यों का सम्मान नहीं करते हैं, जो कुरान के नियमों को हमारे धर्मनिरपेक्ष कानूनों से अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। विल्डर्स ने कहा कि मुसलमानों की संख्या 7 लाख है और मेरा उद्देश्य है, बाहर निकलो। किसी इस्लामिक देश के लिए निकल जाओ। फिर, आप इस्लामी नियमों का आनंद ले सकते हैं। ये उनके नियम हैं, लेकिन हमारे नहीं हैं। शरणार्थियों की समस्या से गले तक भर चुके यूरोपीय देशों ने अब इस समस्या के समाधान के लिए नया समझौता किया है।

यूरोपीय संघ और सदस्य देशों ने प्रवासन और प्रश्रय पर नए समझौते के जरिए अपनी प्रवासन नीति में सुधार करने का फैसला किया है। इसके तहत अनिर्णित रूप से आ रहे लोगों की त्वरित जांच, सीमा पर डिटेनशन सेंटर



बनाना और आवेदन अस्वीकृत होने पर शरणार्थियों को देश से बाहर करना आदि सुधार के रूप में शामिल है। हालांकि अभी भी 27 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूरोपीय परिषद और यूरोपीय संसद द्वारा औपचारिक

रूप से समझौते को मंजूरी देने की आवश्यकता है। जिसके बाद ही यह संभवतः वर्ष 2024 में ब्लॉक की कानूनी प्रक्रियाओं में शामिल हो पाएंगे। गौरतलब है कि साल 2011 में सीरिया में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद लाखों सीरियाई

रूप से समझौते को मंजूरी देने की आवश्यकता है। जिसके बाद ही यह संभवतः वर्ष 2024 में ब्लॉक की कानूनी प्रक्रियाओं में शामिल हो पाएंगे। गौरतलब है कि साल 2011 में सीरिया में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद लाखों सीरियाई

थे। बाकी देश भी लोगों को स्वीकार करने लगे। इसके विपरीत पोलैंड की सरकार ने कहा था कि शरणार्थियों को रखना यानी अपनी ही तबाही के लिए बम फिट कर लेना है।

पोलैंड का यह दृष्टिकोण फ्रांस और दूसरे देशों में सही साबित हुआ। एक मुस्लिम की युवक की मौत के बाद फ्रांस में जबरदस्त दंगे भड़क उठे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा पेरिस में चेंकिंग के दौरान नाहल को पुलिस ने गोली मारी दी थी। इस घटना में नाहल की मौत हो गई

थी। पुलिसकर्मियों का इस मामले पर कहना था कि लड़के के पास गाड़ी चलाने का लाइसेंस नहीं था। चेंकिंग के दौरान लड़के ने वाहन से ट्रैफिक पुलिस को कुचलने का प्रयास किया जिसके बचाव में लड़के को गोली मारी गई। इससे भड़की हिंसा की आग में फ्रांस कई दिनों तक जलता रहा। यूरोपियन इस्लामोफोबिया रिपोर्ट 2022 के मुताबिक पूरे यूरोप में इस्लाम के खिलाफ भावना तेजी से बढ़ रही है। यूरोपीय सरकारें इस्लाम और मुस्लिमों के खिलाफ क्रैकडाउन चला रही हैं। मरिजंदे बंद की जा रही हैं। इस्लामिक संगठनों पर नकेल कसी जा रही है। फ्रांस और ऑस्ट्रिया की सरकारों ने कट्टरवाद के खिलाफ अभियान के बहाने मरिजंदे बंद करवा दीं। स्विटजरलैंड में नई मीनारों के निर्माण पर रोक लगा दी गई। डेनमार्क में अग्रवासी मुस्लिमों को हर हफ्ते 35 घंटे सिर्फ देश की संस्कृति और परंपराएं सिखाई जाती हैं। ऑस्ट्रिया और फ्रांस में इस्लामिक अलगाववाद और पॉलिटिकल इस्लाम को परिभाषित किए बिना ही इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बता दिया गया है। धार्मिक कट्टरपन और दुस्तर देशों के कानून को नहीं मानने के कारण आने वाले वक्त में मुसलमानों की ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।



आमिर खान को लगा मराठी सीखने का चस्का

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के लिए पिछली कुछ फिल्मों खास नहीं रहीं। साल 2018 में आई फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान के बाद उन्होंने एक भी हिट प्रोजेक्ट नहीं दिया है। प्रोफेशनल लाइफ से इतर पर्सनल लाइफ को लेकर भी आमिर खान चर्चा में रहे हैं। हालांकि साल 2024 की शुरुआत उनके लिए काफी

खुबसूरत होगी। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट की बेटी आइरा खान अपने बॉयफ्रेंड नुसर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। लेकिन उससे पहले आमिर खान को कुछ नए शौक लगे हैं जिन्हें लेकर वो खबरों में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेटी की शादी से पहले आमिर को मराठी सीखने का शौक लग गया है।

लाइफ Style

अनन्या

खो गए हम कहां नंबर 1 पर कर रही ट्रेंड

एजेसी मुंबई

अर्जुन चरेन सिंह निर्देशित खो गए हम कहां 26 दिसंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी सोशल मीडिया की सच्चाई से रूबरू कराती है, जिससे आज लगभग हर इंसान जुड़ा रहा है।

खो गए हम कहां को क्रिटिक्स से तारीफें मिली और दर्शक भी इसे काफी पसंद कर रहे हैं। अनन्या, सिद्धांत और आदर्श की परफॉर्मेंस को भी काफी पसंद किया गया है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज होते ही फिल्म ओटीटी पर टैंड कर रही है। जवान, मिशन रानीगंज और टॉप गन समेत कई फिल्मों को छोड़ खो गए हम कहां नेटफ्लिक्स पर नंबर वन पोजिशन पर टैंड कर रही है। अर्जुन कपूर ने खो गए हम कहां का रिव्यू किया और इसे 'मस्ट वॉच' फिल्म बताई। अर्जुन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म को लेकर अपना ओपिनियन शेयर करते हुए कहा, वाकई नाम सूट करता है। खो गए हम कहां एक इमोशनल फिल्म है। देखने का अनुभव है। मेच्योर लेखन ने कम लेकिन पावरफुल परफॉर्मेंस का समर्थन किया है। हम किस दुनिया में जीते हैं और किन चीजों से डील करते हैं, उसे बड़ी जटिलता से डायरेक्ट किया गया है। अर्जुन कपूर ने आगे कहा, प्लॉट को जिस तरह से दिखाया गया है, वो खूबसूरत है और आप इससे वाकई रिलेट करते हैं। यह बिल्कुल देखी जानी चाहिए। अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव ने जो कैमरा डायरी शेयर की है, वो फिल्म की जान है। जो दोस्ती आपने महसूस की है, वो हम में से एक है।



हॉलीवुड मसाला

क्रिसमस मनाकर किया सुसाइड

लॉस एंजिल्स। पॉपुलर हॉलीवुड कॉमेडी एक्ट्रेस लाई सुक यिन ने 26 दिसंबर को सुसाइड कर लिया। एक्ट्रेस 47 साल की थीं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस अपने बेटे के पास अलकोहॉलिक ड्रिग्स से पी गईं। मंगलवार दोपहर को यह घटना है। कहा जा रहा है कि लाई सुक यिन ने घर पर कोएले जलाए थे। जिसके बाद उन्होंने सुसाइड करने की कोशिश की। एक्ट्रेस को आनन-फानन में जब अस्पताल लेकर जाया गया तो उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।



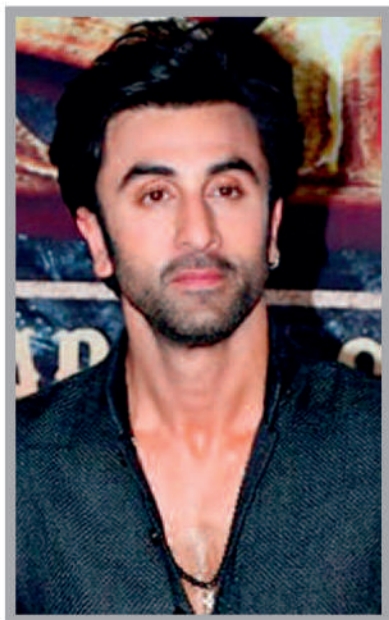
प्रियंका के दूर रहने पर निक ऐसे रखते हैं बेटी का ख्याल

लॉस एंजिल्स। निक जोनास जो अक्सर अपनी पत्नी और बॉलीवुड दिवा प्रियंका चोपड़ा के प्रति अपने दिल छू लेने वाले इशारों से प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं, न केवल अपनी के पति हैं बल्कि एक अच्छे पिता भी हैं। नवीनतम बातचीत में, प्रियंका चोपड़ा की माँ मधु चोपड़ा ने खुलासा किया कि कैसे वह अपने दामाद से विस्मय में हैं, यह देखकर कि जब उनकी माँ काम पर बाहर होती हैं तो वह अपनी बेटी मालती मेरी चोपड़ा जोनास की देखभाल कैसे करते हैं। अपनी तुलना में सबसे अच्छी माँ होने के लिए अपनी बेटी प्रियंका की प्रशंसा करते हुए, मधु ने कहा, मैं देखती हूँ कि प्रियंका और निक पेशेवर रूप से एक दूसरे का बहुत अच्छे से समर्थन कर रहे हैं।



सुजैन को एयरपोर्ट से लौटना पड़ा वापस

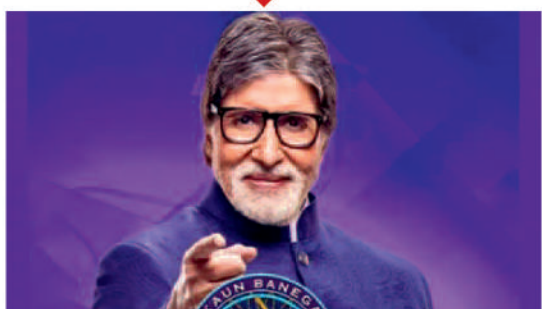
मुंबई। श्रुतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान काफी समय से एक्टर अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं। दोनों पार्टीज से लेकर इवेंट तक में साथ देखे जाते हैं। न्यू यॉर्क से पहले कई सैलिब्रिटीज वेकेशन के लिए एयरपोर्ट पर दिखे। इन्हीं में एक कपल सुजैन और अर्सलान भी थे लेकिन उनके साथ ऐसा कुछ हुआ कि एयरपोर्ट पर पोपट बन गए और उन्हें वापस लौटना पड़ा। पपराजी ने ये सब अपने कैमरे में कैद कर लिया। दरअसल सुजैन और अर्सलान छुट्टियाँ मनाने के लिए जाने वाले थे तो वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे। गेट के बाहर ही अर्सलान जब अपने डॉक्यूमेंट्स खोजने लगे तो पाता चला कि पासपोर्ट लाना ही भूल गए। वह सुजैन को बताते हैं तो वह भी हैरान होती हैं। सिक्वोरिटी चेक करने वाले अधिकारी से सुजैन अपना पासपोर्ट वापस लेती हैं और वहां से दोनों लौट जाते हैं।



रणवीर व राजकुमार की बनेगी जोड़ी...

मुंबई। फिल्म 'एनिमल' में रणवीर के किरदार से सुपरस्टार रणवीर कपूर हर किसी के दिलों-दिमाग पर छाए हुए हैं। एनिमल की सुपर सक्सेस के बाद हर कोई रणवीर की अगली फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस बीच 'डंकी' फिल्म डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने अपनी फिल्म 'संजू' के एक्टर रणवीर कपूर के साथ एक और मूवी बनाने को लेकर बड़ा अपडेट दिया है, जिसे जानकार फैंस काफी एक्साइटेड हो जाएंगे। फिल्म 'डंकी' को लेकर राजकुमार हिरानी इन दिनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। अपनी इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान हाल ही में राजकुमार ने इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उनसे भविष्य में संजू फिल्म स्टार रणवीर कपूर के साथ फिल्म करने को लेकर सवाल पूछा गया।

टीवी मसाला



1 करोड़ के सवाल का जवाब देने से चूका कंटेस्टेंट...

मुंबई। कौन बनेगा करोड़पति एक ऐसा शो है, जिसका हर सीजन दर्शकों का फेवरिट रहा। केबीसी का सीजन 15 भी काफी हिट रहा है। शो में एक बार फिर से अमिताभ बच्चन ने अपनी शानदार मौजूदगी से पूरे सीजन को यादगार बना दिया। इस वक्त कौन बनेगा करोड़पति का फिनाले वीक चल रहा है। इस आखिरी सप्ताह में बिग बी काफी इमोशनल भी हुए। फैंस भी दुखी नजर आ रहे हैं। ऐसे में बीता एपिसोड काफी दिलचस्प रहा। केबीसी के आखिरी हफ्ते में बिहार के अविनाश भारती अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर बैठे नजर आए। अविनाश का खेल बेहद ही शानदार रहा, लेकिन वह एक करोड़ का जवाब देने से चूक गए। आइए जानते हैं क्या था वो सवाल? अमिताभ बच्चन ने शो के दौरान बताया कि ये केबीसी के इतिहास का ऐसा पहला एपिसोड है, जिसमें पहले ही दिन कंटेस्टेंट एक करोड़ के सवाल तक पहुंचा। अविनाश ने खेल के दौरान अपनी सारी लाइफलाइन का इस्तेमाल करके 50 लाख रुपये जीते। इसके बाद अविनाश के सामने 1 करोड़ का सवाल आया, जिसका जवाब देने में उनके भी पसीने छूट गए, क्योंकि उनके पास अब कोई भी लाइफलाइन नहीं बची है। इसी वजह से उन्होंने गेम को 50 लाख के सवाल के साथ क्विट कर दिया।

यशराज के प्लान में रोड़ा बनेगा शख्स

मुंबई। तेरो मेरी डोरिया के 30 दिसंबर में देख सकेंगे कि बरार फैमिली का घर चला गया है और अमीरों को जल्द ही के लिए अस्पताल में है। इस बीच साहिबा के माता-पिता यहां आ जाते हैं। कौरव ने उन्हें सब बता दिया था। वो लोग इसी के लिए खाना लेकर आते हैं जिसे वो मिलकर खाते हैं। थोड़ी देर बाद साहिबा सीढ़ियों से जाती है तभी एक शख्स उसका मुंह बंद करके एक कमरे में ले जाता है। कमरे में अंधेरा होता है और जहां वह देखती है वहां पर गैरी पहले से मौजूद है। वह उसे खुद से दूर हटाती है लेकिन फिर गैरी कहता है कि वह यशराज के बारे में कुछ बताना चाहता है। गैरी को अहसास हो जाता है कि यशराज किसी का सगा नहीं है। साहिबा ने उसे पहले ही समझाया था कि जल्द ही वे उसे बिना किसी शर्त के प्यार किया जबकि यशराज फायदा उठा रहा है।

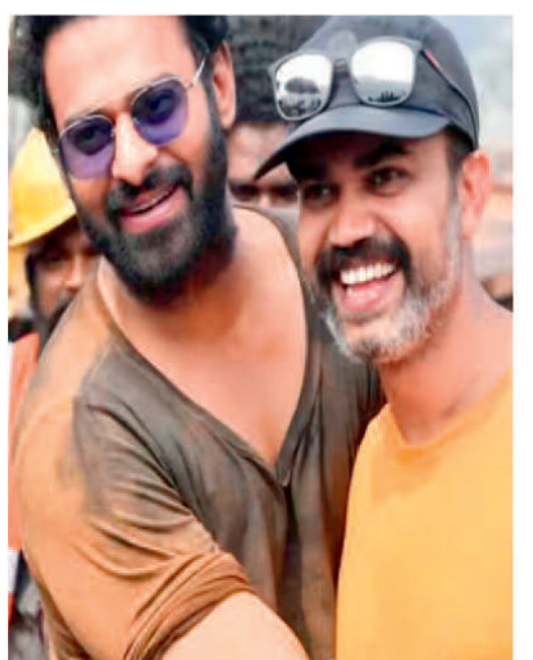
राजकुमार का बुलावा आते ही 'डंकी' में भूमिका निभाने पहुंच गए थे रोहिताश्व

मुंबई। रोहिताश्व गौड़ एंडटीवी के लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अपने मशहूर किरदार मनमोहन तिवारी के चलते सबके चहेते बन चुके हैं। उन्होंने टेलीविजन और बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाया है। उनकी बेटी जेजि जेजि टाईमिंग में मनोरंजन उद्योग के एक प्रतिभाशाली कलाकार के तौर पर उन्हें मजबूती से स्थापित किया है। गौड़ ने हाल ही में राजकुमार हिरानी की फिल्म 'डंकी' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसमें वे एक छोटेबाज चीजा एजेंट के किरदार में नजर आये। एक बेबाक जवाबी में उन्होंने विस्तार से बताया है कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली। शहरुख खान की फिल्म से जुड़ने के बारे में रोहिताश्व गौड़ ने बताया, "यकीन करना मुश्किल है, लेकिन यह मेरे लिये सबसे महत्वपूर्ण मौकों में से एक बन गया, और इसके लिए मुझे बहुत काम इंतजार करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है, कि यह सब एक ही दिन में हो गया। मैं नायगांव में अपने शो 'भाबीजी

घर पर हैं' की शूटिंग कर रहा हूँ। लगातार सफर करने से बचने के लिये मैं आमतौर पर सेट के पास के एक अपार्टमेंट में ठहरता हूँ और सिर्फ छुट्टी के दिनों में अपने घर गोरगांव जाता हूँ। हमें अगले दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन मुझे सुबह ही खबर मिली कि सेट पर एक हफ्ते की छुट्टी है। मैंने सोचा कि इस वक्त का इस्तेमाल घर जाकर अपने परिवार के साथ बिताने के लिये करना चाहिये। रास्ते में मुझे राजकुमार हिरानी जी का कॉल आया और उन्होंने पूछा कि मैं क्या कर रहा हूँ। मैंने उन्हें बताया कि मैं घर जा रहा हूँ और उन्होंने ज्यादा कुछ कहे बिना मुझे सीधे गोरगांव की फिल्मसिटी में बुलाया। वहाँ जाने पर मैं एक बड़ा सेट देखकर चौक गया, जहाँ हजारों लोग थे। फिर मिस्टर हिरानी ने बताया कि वे पंजाब के एक जाने-माने थियेटर आर्टिस्ट के साथ एक दृश्य की शूटिंग करने वाले थे, लेकिन किसी कारण से वह अपना किरदार निभाने नहीं आ पाया। वह फिल्म की शूटिंग का पहला दिन था और मिस्टर हिरानी प्रोडक्शन को रोकना नहीं चाहते थे।

दूसरे पार्ट की कहानी को लेकर डायरेक्टर ने दिया हिंट

मुंबई। क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई 'सालार: पार्ट 1- सीजनफायर' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही है। फिल्म वर्ल्डवाइड 600 करोड़ के कलम में शामिल होने के करीब है। 'सालार' को प्रशांत नील ने डायरेक्ट किया जिन्होंने इससे पहले 'केजीएफ' और 'केजीएफ चैप्टर 2' बनाई। प्रभास और प्रशांत नील के साथ आने से 'सालार' को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई थीं। फिल्म देखने वाले दर्शक अब इसके दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। डायरेक्टर ने 'सालार 2' की कहानी को लेकर भी यह राज खोला है कि यह पिछली फिल्म से और बड़ा, और बेहतर होगा। प्रशांत ने कहा कि जो भी फीडबैक मिला है उसे देखने के बाद वह दूसरे पार्ट में कोई बदलाव करने के मूड में नहीं हैं। फिल्म की कहानी तैयार है। पिकविला को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या 'सालार पार्ट 2' की कहानी में कुछ बदलने वाले हैं तो उन्होंने कहा, 'नहीं, मैं कहानी नहीं बदलूंगा। मुझे जो फीडबैक मिला है उसकी वजह से मैं इसमें थोड़ा भी बदलाव नहीं करने जा रहा हूँ। मेरा मतलब है कि कहानी पहले से तैयार है। मुझे कहानी को फॉलो करना होगा। एक डायरेक्टर के रूप में मेरा काम उस कहानी को बताना है जो हमने लिखी है। यह एक ऐसी कहानी है जो हम सभी को पसंद आई। हम उसी कहानी के साथ आगे बढ़ने जा रहे हैं।'



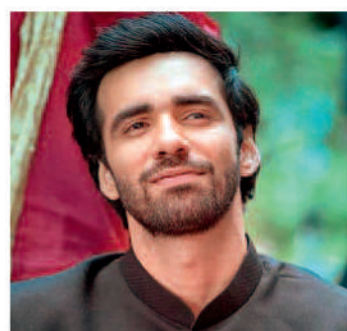
रातों रात चर्चा में आए ये एक्टर्स, परफॉर्मेंस से चुरा ली सारी लाइमलाइट

मुंबई। साल 2023 कई कलाकारों के लिए शानदार रहा। एक फिल्म या वेब सीरीज से उन्हें पॉपुलैरिटी मिली। कोई नेशनल क्राश कहलाई तो कोई इंटरनेट सेसेशन बन गया। अपनी परफॉर्मेंस से इन कलाकारों ने क्रिटिक्स से लेकर

दर्शकों की वाहवाही लूटी। इनमें कई तो ऐसे हैं जो सालों से काम करते आ रहे हैं लेकिन अब जाकर उनके एक रोल ने उन्हें लोकप्रिय कर दिया। चलिए बताते हैं जबरदस्त परफॉर्मेंस देने वाले ऐसे ही एक्टर्स के बारे में।



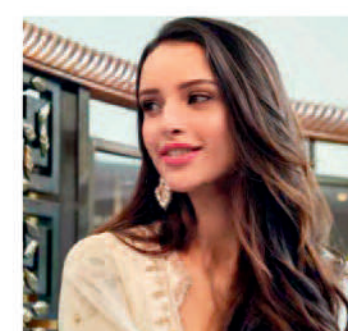
करिश्मा तन्ना : 'स्कूप' के लिए करिश्मा तन्ना हर जगह अवॉर्ड बटोर रही हैं। टीवी सीरियल के बाद करिश्मा का ओटीटी डेब्यू शानदार रहा। उनका कहना है कि ईस्टर्डी में इनमें सालों की मेहनत अब रंग लाई।



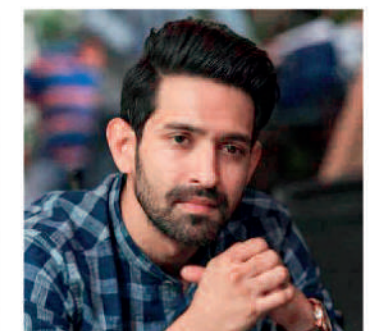
अनुभव सिन्हा : 'बंबई मेरी जान' से अविनाश तिवारी को पहचान मिली। उन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन का किरदार निभाया। इसके अलावा उनकी एक और सीरीज काला आई थी।



नामिता ठाकुर : 2023 वामिका गब्बी के लिए यादगार रहा। उन्हें दर्शकों ने 'जुबली', 'मॉडल लव चैनल', 'चाली चोपड़ा' और 'खुफिया' में देखा। हर फिल्म और सीरीज में उनकी एक्टिंग पसंद की गई।



तुषिता डिमरी : फिल्म 'एनिमल' से तुषिता डिमरी इंटरनेट सेसेशन बन गईं और वह नेशनल क्राश बन गईं। फिल्म में तुषिता का छोटा सा ही रोल था लेकिन हर किसी ने उन्हें नोटिस किया।



अदारश गौरव : 'द केरल स्टोरी' से अदारश गौरव रात स्टार बन गईं। फिल्म के विषय को लेकर विवाद भी हुआ।

सिर्फ 100 रुपये हर रोज बचाएं और बन जाएं मालामाल



सुझाव

बिजनेस डेस्क

सिर्फ चाय-सिगरेट के पैसों से भी बन सकते हैं करोड़पति

नौकरी के साथ साथ ही तैयार हो जाएंगे मोटा फंड

चैन से कटेगा बुढ़ापे, बच्चों की शिक्षा के खर्च की नहीं होगी टेशन

म्यूचुअल फंड की एसआईपी में 12 फीसदी तक मिल रहा रिटर्न

कहते हैं कि अमीर बनने का सबसे आसान तरीका है, बचत करना। आजकल तो निवेश के ऐसे विकल्प भी मौजूद हैं, जो मामूली सी रकम को पैसों में बदल सकते हैं। बावजूद इसके लोगों में बचत और निवेश को लेकर जागरूकता काफी कम है। अगर कोई निवेशक सिर्फ चाय और सिगरेट की आदत छोड़कर इन पैसों को निवेश करे तो नौकरी खत्म होने तक उसके पास 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड जमा हो जाएगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेश को लेकर लोगों के सुस्त रव्यमान से बहुत दिक्राने आती हैं और कई लोग तो आर्थिक रूप से तंगदारी में ही दम तोड़ देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ ऐसे युवा हैं, जिनके पास किसी न किसी ओटीडी का खर्चविवरण है, इस पर हर महीने 150 से 200 रुपये खर्च करते हैं, लेकिन म्यूचुअल फंड में 100 रुपये से भी निवेश करने वालों की संख्या इसकी महज 10 फीसदी यानी 2 करोड़ है। राधिका की बात कई मामलों में सही भी है, क्योंकि अगर नौकरी शुरू करने वाला युवा सिर्फ रोज के चाय-सिगरेट जितने खर्च का पैसा भी निवेश करे तो रिटायरमेंट तक मोटा फंड तैयार हो जाएगा।

हर महीने कितना पैसा होगा जमा

मान लीजिए कोई बिजनेस में सिर्फ 3 सिगरेट पीता है, जिस पर उसका औसतन खर्च 60 रुपये होता है। इसके अलावा ऑफिस टाइम में 3 से 4 कप चाय पीता है तो भी औसतन 40 रुपये का खर्च आएगा। दोनों को जोड़ दिया जाए तो रोजाना सिर्फ चाय-सिगरेट पर ही 100 रुपये का खर्च हो जाएगा। यानी महीने में निवेश करने वाली रकम करीब 3,000 रुपये होगी।

कैसे बनेगा करोड़ों का फंड

निवेश के जानकारों का कहना है कि अगर सिर्फ रोज के चाय और सिगरेट के पैसों को निवेश किया जाए तो नौकरी करने के दौरान यानी करीब 30 साल में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड तैयार हो जाएगा। अगर 30 साल की उम्र में नौकरी शुरू करने के साथ ही कोई 3000 रुपये हर महीने की एसआईपी शुरू करता है तो 30 साल में उसकी ओर से कुल 10,80,00 रुपये का निवेश किया जाएगा। इकटिरी म्यूचुअल फंड का लंबी अवधि में औसतन रिटर्न 12 फीसदी रहता है। इसी रिटर्न से देखा जाए तो रिटायरमेंट तक यह निवेश बढ़कर 1,05,89,741 रुपये पहुंच जाएगा। इस दौरान 95,09,741 रुपये सिर्फ ब्याज के रूप में मिलेंगे।

किस फंड पर दांव लगाना सही

पैसा नहीं है कि म्यूचुअल फंड सिप पर 12 फीसदी रिटर्न सिर्फ करने की बात है। बाजार में कई ऐसी फंड योजनाएं हैं, जो 20 साल की लंबी अवधि में 12 फीसदी से कहीं ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखती हैं। पॉलिसेल्लुलर इंडेक्स फंड का अनुसा, कई ऐसे ही फंड हैं, जिनका 20 साल का औसतन रिटर्न 12 फीसदी से कहीं ज्यादा है।

इन फंडों का ऐसा रिटर्न

- आदित्य बिड़ला वेल्थ प्रप्यार् फंड में 10 साल से ज्यादा निवेश पर 19.20% फीसदी का रिटर्न दिया है।
- बजाज आरिआयज स्मार्ट वेल्थ लक्ष्य ने भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 17.90% सालाना का रिटर्न दिया।
- एकटिरीएनसी लाइफ संपूर्ण निवेश में पैसे लगाने वालों को लंबी अवधि में हर साल 17.70% का रिटर्न मिला।
- नैक्स लाइफ ऑनलाइन बचत में भी 10 साल से ज्यादा के निवेश पर 16.90% का रिटर्न मिला।
- भारती एक्स लाइफ वेल्थ प्रो फंड में भी 10 साल से ज्यादा अवधि में 16.60% का औसतन रिटर्न दिया है।

अक्सर देखा जाता है कि घरलू महिलाओं के सामने आर्थिक आजादी की समस्या आ जाती है। जिंदगी में हर काम के लिए वह पति की कमाई और पूंजी पर निर्भर रह जाती हैं। लेकिन वे भी थोड़ी सी सावधानी के साथ बचत और निवेश करें तो आर्थिक रूप से आजादी के साथ ही पति की रिटायरमेंट तक घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ एक करोड़ से ज्यादा का फंड बना सकती हैं।



निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले गांठ बांध लें कि मोटे पैसे कमाने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसलिए सबसे पहले तो लंबी अवधि के निवेश पर ध्यान दें। निवेश करने से पहले जिस कंपनी के शेयर खरीद रहे हैं, उसकी प्रोफाइल भी जान लें। हां एक बात और ध्यान रखें कि निवेश से पहले अपने गोल तय करें और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराएं नहीं। धैर्य और संयम बनाए रखें। अक्सर देखने में आता है कि पैसा लगाने वाले नए लोग एक बड़ी गलती ये करते हैं कि वह बड़े शेयरों पर दांव खेलते हैं। इसमें कुछ खराबी नहीं है, लेकिन इनसे कमाई की संभावना कम होती है या रिटर्न बेहद कम ही मिल पाता है। कई बार तो नुकसान भी उठाना पड़ता है। अगर कोई शेयर अपने 52 हफ्तों के हाई के आसपास ट्रेड कर रहा है तो नए निवेशकों को उससे दूरी ही बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि उस शेयर के गिरने के चांस काफी हाई होते हैं। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि बाजार में पैसे शेयरों में पैसा लगाएं जो काफी टूट गए हों। यानी शेयर बाजार में गिरते को सलाम करें और खूब निवेश करेंगे तो धन बरसेगा यानी आपकी बेहतर रिटर्न मिलेगी।

बाजार के जानकारों का कहना है कि यह कोई नहीं बात नहीं है। यह काफी पुराना और आजमाया हुआ फॉर्मूला है। बाजार के मूझे हुए खिलाड़ी इसे अच्छे से समझते हैं, लेकिन इसमें एक परेशानी यह है कि आपको कैसे पता चलेगा कि कोई शेयर अब अपने निचले स्तर तक पहुंच चुका है और अब वह उससे नीचे नहीं जाएगा। इसके पीछे कई फेक्टर्स काम करते हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण इंडिकेशन है कि उस शेयर का पिछला रिकॉर्ड लो है। अगर वह शेयर अपने रिकॉर्ड लो के करीब या उससे नीचे पहुंच गया है तो इसका मतलब है कि अब उस शेयर में खरीदारी का समय है। इस समय निवेशकों को चाहिए कि वे निवेश करें और अच्छा रिटर्न प्राप्त करें।

बाजार में तेज गिरावट के समय टिगरम देते हैं खरीदारी की सलाह

यह पैसा बढ़ाने का सबसे बेहतर फार्मूला, कमी नहीं होंगे कंगाल

अक्सर गिरावट के समय लोग पैकन होते और पैसे निकालते हैं

यह परंपरा गलत, रिकवरी का नहीं मिलाता लाभ, होता है नुकसान

निवेश का पहला मूल मंत्र संयम बनाए रखें

इंतजार करें और अपने निवेश को बढ़ाते जाएं

बाजार के उतार-चढ़ाव से घराएं नहीं

शेयर बाजार में निवेश के लिए जरूरी है धैर्य

जल्दबाजी में शेयर बेचने से हो सकता है नुकसान

शेयर में पैसा लगाने से पहले देखें कंपनी की वित्तीय स्थिति

किस बात का रखना है विशेष ध्यान

यह जरूर याद रखें कि किसी भी शेयर को बिना जांचे परखे न खरीदें। शेयर खरीदने से पहले कंपनी के वित्त और उस सेक्टर के भविष्य को लेकर अध्ययन जरूर कर लें। गिरावट की स्थिति में अगर खराब शेयर हाथ में लग तो 'कंगाली में आटा गीला' वाला हाल हो जाएगा।

गिरते को करो सलाम, खूब लगाओ दांव, बरसेगा धन



अगर जारी रहा डाउनवर्ड ट्रेंड

एक सवाल ऐसे में यह भी उठता है कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहा तो क्या होगा। कई इन्वेस्टमेंट एडवाइजर फर्म इस पर कहती हैं कि अगर कोई शेयर नीचे गिरना जारी रहता भी है तो भी घबराने की जरूरत नहीं है। कई बार मार्केट डाउन होने पर मजबूत शेयर भी क्रॉस फायरिंग में फंसते हैं और गिरते रहते हैं। यही वह समय है जब आपको घबराने की जरूरत नहीं है और संयम बरतना है। अगर ऐसे में गिरावट से आपको घाटा लग भी रहा हो तो भी अपने शेयर को बेचें नहीं और धैर्य बनाए रखें, क्योंकि ये मजबूत शेयर जरूर वापसी करेंगे और आपके द्वारा डिस्काउंट पर की गई खरीदारी आपको जबरदस्त कमाई कराएगी यानी आपको मालामाल होने से कोई नहीं रोक पाएगा।

दिग्गजों की सलाह

जाने-माने निवेशक वॉरन बफ ने 2016 में कहा था कि जब मार्केट नीचे जा रहा हो तो शेयर खरीदने से पहले बहुत ज्यादा छानबीन नहीं करेंगे तो भी चल जाएगा। दिग्गज निवेशक जैक बोगल ने भी एक इंटरव्यू में 2018 में कहा था कि बाजार में हो रहे बदलावों (गिरावट) से घबराकर अपने मन को ना बदलें और शेयर खरीदकर उसे होल्ड करें। अगर आप रिकवरी (बाजार को) का फायदा उठाने से चुके तो संभव है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों से भी चूक जाएं।

अनुशासन बनाए रखें

पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फीरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें। इन बदलावों से आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है। जरूरी यह है कि निवेश में हमेशा अनुशासन बनाए रखें और निवेश करते जाएं।

प्लानिंग से बनेगा फटाफट पैसा, आराम से कटेगा बुढ़ापे

सिर पर आ गया रिटायरमेंट तो ऐसे करें निवेश का प्लान

जानकारी

बिजनेस डेस्क

इकित्ती फंड लंबी अवधि में 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे रहे

यह बात सही है कि निवेश और बचत जितनी जल्दी शुरू की जाए, उतना ही बेहतर होता है और फायदा भी ज्यादा मिलता है, लेकिन, जिंदगी की जिम्मेदारियों को पूरा करने और लोन वगैरह चुकाने में फंसकर रह गए और सेविंग नहीं कर सके। ऊपर से रिटायरमेंट भी सिर पर आ गया है तो अब कहां पैसा लगाएं, जिससे फटाफट आपके खाते में एक मोटा फंड जमा हो जाए। रिटायरमेंट की प्लानिंग भी कई बार खर्चों और जिम्मेदारी की वजह से नहीं हो पाती और आप देखते ही देखते 50 की उम्र पार कर जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही हुआ है और अभी तक रिटायरमेंट के लिए पैसे नहीं जोड़ सके हैं तो निवेश की अलग रणनीति बनाकर मोटा फंड जुटा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपको दिनदरिया कम हों और आप बाजार में थोड़ा जोखिम उठाने के लिए भी तैयार हों। आप भी इकित्ती में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इकित्ती फंडों में 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।

रिटायरमेंट करीब आ गया है और आपके पास बुढ़ापे के लिए सेविंग नहीं है। ऐसे लोगों के लिए भी निवेश के कई विकल्प हैं, जहां कम समय में ही मोटा पैसा बनाया जा सकता है। अगर आप भी ऐसा कुछ सोच रहे हैं तो आप भी इकित्ती में कम से कम 10 साल के लिए निवेश कर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इकित्ती फंडों में 10 साल से ज्यादा समय के निवेश में 10 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। इस तरह आसानी से अच्छा फंड जुटाकर बुढ़ापे का जुगाड़ किया जा सकता है।



ज्यादा रिटर्न वाले विकल्प चुनें

किसी भी नौकरीपेशा के लिए 50 साल की उम्र वह पड़ाव होता है, जब उसकी आय अपने उच्चतम स्तर पर और लॉन आदि की दैनिकियां लगभग खत्म होने की कगार पर रहती हैं। ऐसे में निवेशक जोखिम लेने में भी संकल्प रहता है तो उसकी पूरी रणनीति ज्यादा रिटर्न देने की होनी चाहिए। इसके लिए इकित्ती आधारित निवेश पर जोर देना बेहतर होगा। कुछ हिस्सा इंटरेसेनल इकित्ती फंड, डेट फंड और सेविंग में भी लगाना चाहिए। निवेशक ध्यान रखें कि इकित्ती में लगाने वाले पैसे को कम से कम 10 साल तक बनाए रखेंगे तो 10-12% का जबरदस्त रिटर्न मिल सकता है।

... जोखिम नहीं लेना चाहते तो

यह नियम अपना सकते हैं

60 के करीब हैं तो 3 भाग में बांटें पैसा: जब आपकी उम्र 60 के करीब हो या आप रिटायरमेंट ले चुके हैं तो निवेश को तीन भागों में बांटकर रिटर्न का लक्ष्य बनाएं।

पहला लिक्विड फंड का खाता बनाएं जो आपको जरूरत पड़ने पर तत्काल पैसे उपलब्ध कर सके। इसमें 40 महीने के खर्च के बराबर राशि जमा करें, जो एफडी या शार्ट टर्म बांड में लगाई जा सकती है। इसमें 15-20% का निवेश करें।

दूसरा स्थायी आय का विकल्प तैयार करें, जिससे निवेश पर कोई जोखिम न हो और निश्चित रिटर्न भी मिलता रहे। इसके लिए बंध व फंड में आरबीआई बांड में पैसे लगा सकते हैं। इसमें 45-50% का निवेश करना चाहिए।

तीसरे विकल्प में ज्यादा रिटर्न देने वाले निवेश शामिल करें, जो फंड को तेजी से बढ़ा सके। इसके लिए बाजार से जुड़े इकित्ती उत्पाद चुन सकते हैं। इसमें 30-40% हिस्सा लगाना चाहिए।

आपके माता-पिता के लिए बेस्ट हैं ये सुरक्षित निवेश की स्कीम

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर निवेशक अपने रुपये पैसों को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं और जब निवेश की बात होती है तो वह इसके लिए पूरी तरह से सुरक्षित विकल्प खोजते हैं। सीनियर सिटीजंस के लिए अपनी जमा पूंजी के बड़े हिस्से को सुरक्षित निवेश करने और उसके जरिए स्टेबल रिटर्न पाने के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे अच्छे विकल्पों में शामिल हैं। असल में रिटायरमेंट के बाद निवेशक बाजार का ज्यादा जोखिम लेने की स्थिति में नहीं होते हैं। ऐसे में निश्चित रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) जैसे सुरक्षित निवेश विकल्प उनके लिए बेहतर हैं। इस पर न सिर्फ रिटर्न की गारंटी होती है, बल्कि आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। सीनियर सिटीजंस फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक सामान्य एफडी की तुलना में ज्यादा ब्याज देते हैं। इन योजनाओं में जोखिम बहुत ही कम होता है।

बैंक देते हैं ज्यादा ब्याज

सीनियर सिटीजंस आम तौर पर बाजार का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। उनकी जोखिम लेने की क्षमता कम होती है और वे अपना पैसा सुरक्षित निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं। बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान सीनियर सिटीजंस को लो रिस्क कैटेगरी का मानते हैं और उन्हें निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए एफडी पर ज्यादा ब्याज दरों की पेशकश करते हैं। एक और वजह यह है कि बैंक उन्हें अपना कस्टोडियन मानते हैं, क्योंकि रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर सीनियर सिटीजंस की पर्सड एफडी होती है।

बिजनेस साइड

बैंक ऑफ बड़ौदा ने की रिटेल सावधि जमा पर 125 आधार अंकों की वृद्धि



मुंबई। भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा ने एनआरओ मीडिया जमा सहित घरेलू रिटेल सावधि जमा पर ब्याज दरों में 10 आधार अंकों से 125 आधार अंकों तक की वृद्धि की घोषणा की है जो 29 दिसंबर को चुकी है। ये दरें 2 करोड़ रुपये से कम की जमा राशि पर लागू होंगी। दरों में वृद्धि काफी हद तक छोटी अवधि की परिपक्वता जमा श्रेणी, विशेष रूप से 1 वर्ष से कम अवधि की जमाओं पर केंद्रित है। छोटी अवधि की परिपक्वता अवधि में ब्याज दरों में वृद्धि से न केवल जमाकर्ताओं को बहुत लाभ होगा जो कम परिपक्वता के लिए जमा रखते हैं, बल्कि जमा की संभावनाएं सुनिश्चित और अनुकूलित करने और अपने शुद्ध ब्याज मार्जिन की बचत के बैंक के उद्देश्य में भी योगदान देंगे। यह बैंक की छोटी अवधि की रिटेल सावधि जमाओं में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कार्यानीति के अनुरूप भी है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक रवींद्र सिंह नेगी ने कहा कि रिटेल सावधि जमा दरों में वृद्धि का निर्णय हमारे ग्राहकों को अधिक लाभ प्रदान करने की बैंक ऑफ बड़ौदा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, दूसरी ओर नीतिपरक रूप से हमारे जमा पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है।

की रिटायरमेंट उम्र 60 साल है। इस तरह आपके पास निवेश करने के लिए 32 साल मिलेंगे। इन 32 सालों में 2,600 रुपये हर महीने के हिसाब से आप कुल 9,98,400 रुपये यानी करीब 10 लाख रुपये का निवेश कर सकेंगे। इस पर हर साल 12 फीसदी का रिटर्न मिला है तो 32 साल में आपका कुल फंड बढ़कर 1,17,24,172 रुपये हो जाएगा, जिसमें ब्याज की रकम 1,07,25,772 रुपये होगी।

इकोनॉमी में 16% से ज्यादा का योगदान

ध्यान रखने वाली बात यह है कि आपने 32 साल तक लगातार एक ही निवेश बनाए रखा है। अगर आप हर साल निवेश की जाने वाली राशि में बदलाव करते हैं तो यह फंड और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह, पति की रिटायरमेंट आने तक आप घर में रहकर एक करोड़ से ज्यादा फंड तैयार कर लेंगे। इस तरह हाउसवाइफ को भी आर्थिक आजादी मिलेगी और वह भी आसानी से एक बढ़िया फंड तैयार कर लेंगी। इसलिए जरूरी है कि महिलाओं को भी अपने रोजमर्रा के खर्च से कुछ न कुछ बचाकर निवेश करना चाहिए। इससे उनकी आत्मनिर्भर बनने से कोई नहीं रोक सकता।

कितने पैसे की होगी जरूरत

यह बात तो सभी जानते हैं कि हाउसवाइफ के पास अपनी कमाई का कोई निश्चित जरिया नहीं होता। इस लिहाज से घर खर्च में पैसे बचाकर वे अपने पास हर महीने कुछ रुपये जमा कर सकती हैं। अगर आप भविष्य के लिए फंड बनाने की सोच रही हैं तो बस आपको बचने की रोजाना टिफिन जितना खर्च ही बचाना होगा। मिन लीजिए, बचने की रोज की टिफिन और जेब खर्च के पीछे आपके 100 रुपये खर्च होते हैं, तो हर महीने आप 4 रविवार हटाकर भी 2,600 रुपये का फंड जुटा लेंगे।

इन पैसों को करें निवेश

आपने देखा कि हर महीने आपके पास 2,600 रुपये जमा हो रहे हैं तो अब आप एक म्यूचुअल फंड को एसआईपी खुलावा दीजिए। म्यूचुअल फंड में आप हर महीने 2,600 रुपये भी जमा करती हैं तो लंबी अवधि यानी 10 साल से ज्यादा के समय में आपको इस पर हर साल 12 फीसदी का औसत रिटर्न मिल जाएगा।

पति की रिटायरमेंट तक कितना पैसा

मान लीजिए, आपकी शादी 28 साल की उम्र में होती है और पति

खबर संक्षेप



लगा नहीं था कि विश्व कप खेल सकूंगा

नई दिल्ली। सर्जरी के बाद एक समय तीन चार सप्ताह वह अपने पैरों पर भी खड़े नहीं हो पा रहे थे। ऐसे समय में भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल के लिए इस साल वनडे विश्व कप खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल था। उन्होंने टूर्नामेंट में 452 रन बनाकर शानदार वापसी की बल्कि कई मैचों में मेजबान के लिए संकटमोचक भी साबित हुए। राहुल ने स्टार स्पोर्ट्स की 'ब्लिव' सीरीज में कहा, 'वापसी कर देना था लेकिन मैं उस समय जीवन के सबसे खराब दौर से गुजर रहा था मानो कुछ और मायने नहीं रखता था।'

कुश्ती गतिविधियां शुरू कराने का अनुरोध



नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया ने शनिवार को खेल मंत्रालय से अनुरोध किया कि देश में कुश्ती गतिविधियां फिर शुरू कराई जायें क्योंकि पेरिस ओलंपिक में सात महीने ही रह गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ओलंपिक की तैयारियों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों के प्रदर्शन के बाद से देश में पिछले कई महीने से कुश्ती ठप पड़ी है।

तेज गेंदबाज कोएल्टी दूसरे टेस्ट से बाहर
संचुरियन। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएल्टी के पेट के निचले हिस्से में दर्द के कारण केपटाउन में तीन जनवरी से भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल सकेंगे।

23 वर्ष के इस गेंदबाज को पहले टेस्ट के दौरान दर्द उठा और बढ़ता गया। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक्स पर लिखा, 'तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएल्टी भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। पहले टेस्ट के दौरान उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द उठा था।'

पेले को ब्राजील ने दी श्रद्धांजलि
रियो दि जिनेरियो। ब्राजील के फुटबाल प्रेमियों ने पेले को उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और इस मौके पर दक्षिण अमेरिका के इस देश की सबसे प्रसिद्ध प्रतिभा 'क्राइस्ट द रीडिमेड' ने पेले की जर्सी नंबर दस पहनी।

फुटबॉल के जादूगर कहे जाने वाले पेले ने पिछले साल कोलोन कैंसर के कारण 82 वर्ष की उम्र में दम तोड़ दिया था। पेले के क्लब सांतोस एफसी के शहर सांतोस और उनके जन्म स्थान ट्रेस कोराकोस में भी समारोह आयोजित किए गए। फीफा ने भी पेले के करियर की झलकियां वाले वीडियो के साथ संदेश दिया, 'पेले की विरासत हमेशा बनी रहेगी।'

अनकैड खिलाड़ी ब्रांड को बना दिया कप्तान



नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की टीम इन दिनों घरेलू सरजमी पर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। अफ्रीका की टीम फरवरी में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, जिसके लिए प्रोटीया टीम का पेलान हो गया है। न्यूजीलैंड दौरे पर खेले जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अफ्रीका ने चौंकाने वाले स्क्वॉड की घोषणा की है। अनकैड बाएं हाथ के बैटर नील ब्रांड को अफ्रीका का कप्तान बना दिया गया है।

उम्मीद 2024 : ओलंपिक, टी20 वर्ल्ड कप समेत बड़े स्पोर्ट्स में तिरंगा लहराएगा भारत

एजेसी नई दिल्ली

साल 2023 खेल जगत में मिला जुला रहा। एक तरफ जहां क्रिकेट में भारत के हाथों निराशा हाथ लगी तो वहीं, एशियन गेम्स में भारतीय महिला और पुरुष ने गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। यह साल स्टार जेवेलिन श्रोअर नीरज चोपड़ा के नाम रहा। दोहा डायमंड लीग में गोल्ड पर कब्जा किया। क्रिकेट में भारत ने पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंसिप का फाइनल गंवाया, उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल जीते का सपना अधूरा रह गया, लेकिन साल में कई टूर्नामेंट भारत के लिए नई उम्मीद लेकर आएंगे। आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत साल 2024 को यादगार बना सकता है।



टी20 वर्ल्ड कप

आगामी साल में वेस्टइंडीज और यूएसए की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जावेगा। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में भारत को रेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों शिकस्त मिली थी। साल 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीत का उम्मीद रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की मेजबानी में महिला टी20 वर्ल्ड कप का भी आयोजन किया जाएगा।



पेरिस ओलंपिक

भारतीय खिलाड़ियों के लिए साल 2024 बहुत ही खास होने वाला है। पेरिस में ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। इसके अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों ने भी पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया है।



38वें राष्ट्रीय खेल

अगले साल में उत्तराखंड 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा। 37वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अगले राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ियों से बेजोड़ प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी।



यूफा यूरो 2024

इनके अलावा 14 जून से 14 जुलाई 2024 तक फुटबॉल का दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट यूफा यूरो 2024 का टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। यहां भारतीय फुटबॉल टीम से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, आईसीसी अंडर 19 वर्ल्ड कप 2024 साउथ अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा।

क्रिकेट : दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 0-1 से पीछे है टीम इंडिया

नेट अभ्यास में रोहित का फोकस मुकेश पर, जडेजा ने की गेंदबाजी

एजेसी संचुरियन

पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारतीय टीम के लिए सुपरसपोर्ट पार्क पर शनिवार को अभ्यास सत्र वैकल्पिक था लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने जमकर पसीना बहाया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज केगिसो रबाडा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में रोहित को आउट किया था। यहां दो घंटे तक हुए अभ्यास सत्र में रोहित ने बतौर कप्तान और बल्लेबाज भाग लिया। रोहित का फोकस तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की गेंदों का सामना करने पर था जिन्होंने 45 मिनट तक सिर्फ भारतीय कप्तान को गेंदबाजी की।

फिट होकर लौटे रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने भी नेट में अभ्यास किया। थ्रोइंगन विशेषज्ञ दयानंद गरानी ने भी रोहित को आफ स्टम्प पर गेंद डाली। अभ्यास के दौरान रोहित ने मुकेश से कहा, 'हवा में अंदर आ रहा है पर कोशिश कर एंगल से अंदर लाने का।' बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने जब उनसे पूछा, 'तू इस नेट पे आया' तो उन्होंने कहा, 'नहीं यहीं पर और दस मिनट बल्लेबाजी करूंगा।'



प्रसिद्ध नहीं हो रहे कृष्णा

रोहित ने मुकेश को अतिरिक्त समय दिया और कुछ टिप्स भी दिए। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले मुकेश पिछले तीन साल में दो बार रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंची बंगाल टीम के इस प्रदर्शन के सूत्रधारों में रहे हैं। पहले टेस्ट में नाकाम रहे तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को फिर मौका मिलता है तो यह हार की बात होगी। प्रसिद्ध ने नेट पर किसी बल्लेबाज को गेंदबाजी नहीं की और वह सही तैय्य तलाशने के लिए मेहनत करते रहे। गेंदबाजी कोच पास महाश्वे ने अकेले उन पर 75 मिनट दिए।

जडेजा पूरी तरह फिट

रविंद्र जडेजा ने काफी समय गेंदबाजी और बल्लेबाजी की और वह पूरी तरह फिट दिखे। उन्होंने अश्विन के साथ करीब 45 मिनट गेंदबाजी की। बल्लेबाजी के दौरान शार्दूल ठाकुर को बाएं कंधे में चोट लगी जब वह फोर्डिंग कोच टी दिलीप के थ्रोइंगन का सामना कर रहे थे। अभ्यास के बाद वह आइस पैक लगाकर बैठे दिखे।

बल्लेबाजी करते शार्दूल के कंधे में लगी चोट

संचुरियन। भारतीय टीम को शनिवार को इटका लगा जब गेंदबाज आल राउंडर शार्दूल ठाकुर को नेट पर बल्लेबाजी करते हुए कंधे में चोट लग गई। ऐसी संभावना है कि वह तीन जनवरी से केपटाउन में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे लेकिन उनकी चोट की गंभीरता स्कैन से पता चल पाएगी, अगर इनकी जरूरत पड़ेगी। इस समय यह पुष्टि नहीं हो सकी कि उनकी चोट के लिए स्कैन की जरूरत है या नहीं। ठाकुर को कार्पाई परेशानी हो रही थी और वह नेट सत्र के दौरान गेंदबाजी भी नहीं कर सके। ठाकुर थ्रोइंगन नेट में सबसे पहले पहुंचने वाले खिलाड़ी थे और जब वह बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ से थ्रोइंगन से गेंद का सामना कर रहे थे तो उनके बाएं कंधे में गेंद लग गई। यह नेट सत्र शुरू होने के 15 मिनट के बाद हुआ। ठाकुर शॉर्ट गेंद का बचाव नहीं कर सके जिससे वह पहले टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान हुआ था। वह गेंद लगते ही दर्द से चिल्ला उठे। लेकिन मुंबई के इस आल राउंडर ने नेट पर बल्लेबाजी जारी रखी।



ऋचा और दीप्ति के प्रदर्शन के बावजूद हारा भारत



एजेसी मुंबई

ऋचा घोष की कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 96 रन की पारी और दीप्ति शर्मा का 38 रन देकर पांच विकेट का शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन भारत के काम नहीं आ सका। आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने शनिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में तीन रन की जीत से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। जीत के लिए 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए घोष ने 113 गेंद में 13 चौके से 96 रन की पारी खेली लेकिन मेजबान टीम अंतिम ओवर में लडखड़ा गई और उसे घरेलू मैदान पर आस्ट्रेलिया से लगातार चौकी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 255 रन ही बना

सकी। दीप्ति 36 गेंद में एक चौके से 24 रन और दूसरे छोर पर श्रेयाका पाटिल पांच रन बनाकर नाबाद रहीं। घोष के अलावा भारत के लिए उम कुमारा स्मृति मंधाना ने शुरू में 38 गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 34 रन का बनाव। जेमिमा रोड्रिग्स (44 रन) और घोष ने तीसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी निभाकर जीव रखी लेकिन आस्ट्रेलिया को भारत में कभी श्रृंखला नहीं हारने का रिकॉर्ड बरकरार रखने से नहीं रोक सकी।

इससे पहले ऑफ स्पिनर दीप्ति ने पांच विकेट हाटककर आस्ट्रेलिया की रन गति पर लगाम लगायी लेकिन सात कैच छोड़ने से भारत मेहमान टीम को आठ विकेट पर 258 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने से नहीं रोक सकी।

दीप्ति ने दूसरी बार इटके 5 विकेट

दीप्ति ने सूखी और टर्न लेती पिच का पूरा फायदा उठाते हुए 10 ओवर में 38 रन देकर पांच विकेट चटकाने के लिए शानदार गेंदबाजी मेजबान टीम के लंचर क्षेत्ररक्षण के कारण फायदेमंद नहीं हो सकी। दीप्ति ने एलिसे पेरी (50 रन), बेथ मूनी (10 रन), तहलिया मैकग्रा (24 रन), जोर्जिया वारेहम (22 रन) और अनाबेल सदरलैंड (23 रन) के विकेट लेकर अपने करियर में दूसरी बार पांच विकेट चटकाने का कारनामा किया।

इंडिया ओपन : घरेलू बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए मुश्किल ड्रा



एजेसी नई दिल्ली

एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन सहित भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मुश्किल ड्रा मिला है जिसमें वे घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगे।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ अंतिम पड़ाव में है और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 16 से 21 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन से महत्वपूर्ण अंक जुटाने की कोशिश करेंगे। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा कॉन्स पदक विजेता प्रणय विश्व रैंकिंग में अपना स्थान मजबूत करने की कोशिश करेंगे जबकि कविदाभी श्रीकांत, सेन और प्रियांशु राजावत ओलंपिक में दूसरे भारतीय स्थान के लिए प्रयास करेंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार दो भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी ओलंपिक में भाग ले सकते हैं, अगर दोनों ही 30 अप्रैल तक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया के अंत में शीर्ष 16 रैंकिंग में शामिल रहेंगे।

सेन-राजावत की होगी मिडिल

पहले दौर में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सेन और राजावत एक दूसरे के सामने होने जबकि आठवें करीब प्रणय का सामना चीनी खिलाड़ी के चोऊ टिफिन वेंग से होगा। अजर प्रणय जीत जाते हैं तो वह सेन और राजावत के बीच मैच के विजेता से मिलेंगे। पूर्व वॉलियन श्रीकांत अमी रेंस टू पेरिस रैंकिंग में 24वें स्थान पर हैं, वह पहले दौर में हांगकांग के ली चेंगके विरुद्ध खेलेंगे।

पुरुष युगल में कठिन ड्रा

पुरुष युगल में पूर्व वॉलियन और दूसरे करीब सात्विक और चिराग अपनी चुनौती की शुरुआत चीनी ताइपे के फांग जेन ली और फांग वि ली के खिलाफ करेंगे। महिला युगल में त्रिसा जली और गायत्री गोपीचंद को पहले दौर में नामी मातसुयामा और विहारू शिंडा की जापानी जोड़ी से मिलना है जो चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा। अश्विनी पौनप्पा और तनीषा कास्टो की जोड़ी की मिडिल थर्ड्स की रविंडा प्राजोजाई और जोंगकोलफान किटित्थारकुल को जोड़ी से होंगे।

वॉनर चयनकर्ता नहीं टेस्ट में ग्रीन से करा सकते हैं पारी का आगाज

मेलबर्न। डेविड वॉनर ने भले ही उनके बाद टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए मार्क्स हैरिस का नाम लिया हो लेकिन आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि वे अधिक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं और कैमरन ग्रीन भी दौड़ में हैं। वॉनर पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी में तीन जनवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। टेस्ट क्रिकेट में पारी की शुरुआत के लिए वॉनर के बाद कई नामों पर विचार चल रहा है। हैरिस, ग्रीन, मैट रेनशॉ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट के नाम दौड़ में हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'डेविड चयनकर्ता नहीं हैं। पिछली बार उसने मैट रेनशॉ का नाम लिया था और शायद अगला नाम कैम बेनक्रॉफ्ट और फिर कैमरन ग्रीन का होगा।' आस्ट्रेलिया को अब वेस्टइंडीज के खिलाफ खाने है और कोच ने कहा कि उससे पहले फैसला ले लिया जाएगा।

समद टीम में शामिल, चोटिल जैकसन और मार्टिन्स बाहर

एफसी एशियाई कप के लिए भारत ने की टीम की घोषणा

एजेसी नई दिल्ली

मुख्य मिडफील्डरों की चोटों से जूझ रहे भारत ने शनिवार को एफसी एशियाई कप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें सफल अब्दुल समद जगह बनाने में सफल रहे। लेकिन जैकसन सिंह और ग्लान मार्टिन्स को फिटनेस संबंधित मुद्दों के कारण बाहर रखा गया। शीर्ष मिडफील्डर जैकसन को नंबर में कंधे में चोट लगी थी और उनका चुनाव जाना संदिग्ध था। मोहन बागान के मार्टिन्स भी हाल ही में चोटिल हो गए थे। हालांकि ये दोनों 50 संभावित खिलाड़ियों में शामिल थे। इस महीने के शुरू में चोटिल हुए समद हालांकि टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे जिसका नेतृत्व अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री करेंगे।



भारतीय टीम

गोलकीपर : अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह, विशाल केश। डिफेंडर : आकाश मिश्रा, लालचुंगुणा, मेहताब सिंह, निखिल पुजारी, प्रीतम कोचल, राहुल मेक, संदेश शिंभान, सुभाष बोस। मिडफील्डर : अमरिंदर थाप, बैडन पनाडिस, दीपक टांगरी, लालगामाधिया राट्टे, रिफत कौलसो, नाओरैम महेश सिंह, सहज अखिल समद, सुरेश सिंह वांगजाम, उस्ताद सिंह। फॉरवर्ड : इशान छेत्री, लालिबामजुआला वांगटे, मनवीर सिंह, राहुल कन्नोल्ली प्रतीग, सुनील छेत्री, विक्रम प्रताप सिंह।

डार्क सर्कल्स की समस्या को जड़ से खत्म कर देंगे ये नुस्खे, जल्द दिखने लगेगा असर



गाजर शहद लगाने के फायदे

आपको बता दें कि स्किन को एक्सफोलिएट करने के लिए शहद को काफी फायदेमंद माना जाता है।

इसके अलावा यह चेहरे पर मौजूद पोर्स को साफ करने में सहायक होता है।

शहद स्किन को मॉइश्चराइज करने में भी मदद करता है। गाजर लगाने के फायदे

गाजर में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो डार्क स्पॉट्स को कम करने में सहायक होता है। इसके साथ ही यह स्किन में कसाव लाता है। गाजर स्किन ब्राइटनिंग में भी मदद करता है।

ऐसे कम होगा डार्क सर्कल्स
सबसे पहले 1 गाजर को अच्छे से पीस लें। फिर इस पेस्ट में 1 चम्मच शहद मिला लें।

अब दोनों को अच्छे से मिलाकर कर लें। इसके बाद अपने हाथों की उंगलियों या ब्रश की मदद से इस पेस्ट को आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पर लगा लें। करीब 10-15 मिनट तक इस पेस्ट को लगा रहने दें। सप्ताह में करीब 3 से 4 बार इस नुस्खे को आजमा सकते हैं। लगातार इस्तेमाल से डार्क सर्कल्स की समस्या कम हो जाएगी।



आपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ हम ही दे सकते हैं। इसके लिए हमें अपने स्वास्थ्य, आर्थिक, मानसिक, आत्मिक, संबंध और तकनीक प्रबंधन की कला सीखनी होगी। इस कला के सूत्रों को अपनाकर हमारा जीवन निरिचत ही तनावमुक्त, उत्साह और ऊर्जा से भरपूर बन जाएगा। इसका शुभारंभ हम कल से शुरू हो रहे नववर्ष से ही कर सकते हैं।

नए वर्ष में दें जीवन को नया अर्थ

आप आगे का जीवन सक्रियतापूर्वक बिता सकें। क्या बीत रहे वर्ष में आपने ऐसी कोई जांच कराई है? यदि हाँ, तो क्या आपकी दिनचर्या डॉक्टर के कहे मुताबिक ही चल रही है या आप अब भी तमाम लक्षणों का विश्लेषण अपने कयास के आधार पर कर रहे हैं? चिकित्सा विज्ञान ने जो प्रगति की है, उसका लाभ उठाना आपका अधिकार है, यह लाभ लेने में ही ना सिर्फ आपकी बल्कि आपके परिवार की भी सुरक्षा और भलाई है।



मानसिक प्रबंधन

संभव है, बीत रहा वर्ष आपके लिए किसी विषय या क्षेत्र में कड़वा अनुभव देने वाला रहा हो। यह अनुभव नए वर्ष में आपके काम आ सकता है, क्योंकि बर्कोल हरिवंश राय बचन-जो बीत गई, सो बात गई। किसी दुर्घटना के डर से हम सड़क पर निकलना तो नहीं छोड़ देते। जीवन में आगे बढ़ना ही होता है। अपनी जिजीविषा के बूते मनुष्य ने अनंत चुनौतियों पार की हैं। प्रकृति प्रतिपल नूतन है और जीवन का हर क्षण एक अप्रतिम अवसर है। महाप्राण निराला का महामंत्र है- 'नवगति नवलय ताल-छंद नव, नवल कंत नव जलद मंत्र रव।' जब तक आपमें प्राणऊर्जा है, आप अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रयास कर सकते हैं। अनंत अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए, अपने जीवन को नया रूप, नया अर्थ देने के शुभ संकल्प के साथ नव वर्ष में प्रवेश करें! *

आवृत्त कथा / कुमार राधारण

यह जीवन सुख-दुख और हर्ष-विषाद की एक अनवरत यात्रा है। हमारी कामनाएं इस यात्रा को गति देती हैं और परेशानी का कारण भी बनती हैं। इस वर्ष आपने ना जाने कितनी योजनाएँ बनाई होंगी। कुछ पूरे हुए होंगे और कुछ शेष होंगे। कल की बेहतर की उम्मीद जिजीविषा को बनाए रखती है और जीवन को नए मायने देती है। वस्तुतः नए पन का बोध व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है और यही ऊर्जा मनुष्य के विकास का आधार है। कल से आरंभ हो रहे नववर्ष में हम स्व प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

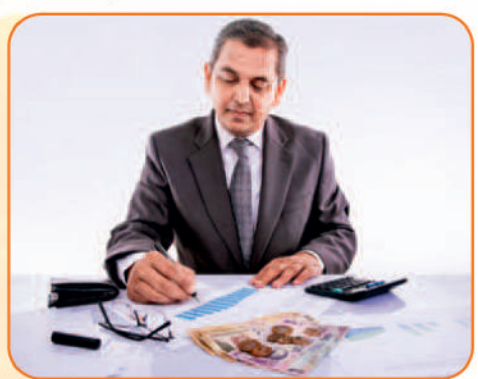
आर्थिक प्रबंधन

यह आर्थिक युग है। जीने के लिए धन की अनिवार्यता है और आर्थिक आत्मनिर्भरता हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आप अपने परिवार से इतर लोगों के लिए भी सहारा बनते हैं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देते हैं। व्यवसाय कई पीढ़ियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। व्यवसाय के लिए पूंजी चाहिए और लंबे समय तक छोटी बचत से भी बड़ी पूंजी खड़ी हो सकती है। बाजार के प्रभाव में आकर अनावश्यक खर्च से बचें और आर्थिक रूप से जागरूक बनें। जिस निवेश में जोखिम हो, उसमें लाभ की संभावना भी छिपी होती है। नया

वर्ष ऐसी किसी योजना को कार्यरूप देने का अवसर है। जमीन या मकान में ऐसा निवेश ना करें, जो कई वर्षों तक आपकी परेशानी का सबब बना रहे। वास्तविक जरूरत का सम्यक आकलन ऐसी परेशानी से बचा सकता है।

स्वास्थ्य प्रबंधन

जो स्वस्थ है, वही जीवन का आनंद ले सकता है। किसी रोग से ग्रस्त होने से पहले भी शरीर कई तरह के संकेत देता है, लेकिन सामान्यतः हम उन्हें पकड़ नहीं पाते क्योंकि हम इसके प्रति इतने जागरूक नहीं होते। ऐसे में, बेहतर यही है कि प्रतिवर्ष बुनियादी मानदंडों पर अपने स्वास्थ्य को परखने के लिए अपनी जांच कराएं ताकि यदि कोई रोग भीतर पनप भी रहा हो, तो शुरूआती दौर में ही उसका पता चल जाए और



संबंध प्रबंधन

यह दुनिया संबंधों की है। बहुधा देखा जाता है कि पद, कद, रुतबा बदलते ही हमारे व्यवहार में परिवर्तन आने लगता है। अपनी खुशहाली में हम जिनसे सम्मान और मान्यता की अपेक्षा रखते हैं, व्यवहार जगत में हम उन्हीं रक्तसंबंधियों से दूर होने लगते हैं। हममें से अधिकतर लोग अपने ही सर्गों से धोखा खाए, सताए हुए हैं। ऐसे में, कई बार पराए, अल्पपरिचित लोग अधिक प्रिय लगने लग जाते हैं। फिर भी, संबंध छूट नहीं जाते। मैं सही-तू गलत के चक्कर में यदि संबंधों की न्यूनतम मर्यादा के पालन से भी आप चूके हों, तो आने वाला वर्ष इसे सुधारने का अवसर है। नए संबंध भी बनाएं और रक्तसंबंधियों से भी जुड़े रहें। इससे आगे चलकर पढ़ाना का संकेत पैदा नहीं होगा।

तकनीक प्रबंधन

सबसे कीमती है समय। सही समय पर लिया गया सही निर्णय एक लंबी छलांग दे सकता है। लेकिन हममें से बहुतों की दुनिया अब गैजेट्स तक सीमित रह गई है। वास्तव में, इन दिनों लोग सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय दे रहे हैं। परिवार छोटे हो रहे हैं और परिवार का हर सदस्य अपने मोबाइल में व्यस्त है। गौर कीजिए कि इस बीत रहे वर्ष में आपने प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिताए औसत समय की

आत्म प्रबंधन

मनुष्य केवल भूख, लौह और पैसा कमाने के लिए नहीं है। उसके पास एक विकसित मन और चेतना भी है। जीवन की इस आधा-धापी में, हमारे पास जल्द ही समय ना के बराबर रह गया है। आज ऐसा एकांत दुर्लभ होना जा रहा है, जिसमें हम कुछ समय सिर्फ अपने आपको दे सकें। स्वाध्याय, चिंतन-मनन, शांत करने वाले संगीत और ध्यान से हममें से अधिकतर लोग विमुख हैं। जीवन में जो कुछ भी आध्यात्मिक रूप से नुसलवान है, तकनीक को हमें नहीं दे रही है। सो निरंतर सक्रियता के साथ ठहरना भी जरूरी है। लकीरतक तकनीक का उपयोग करते हुए आत्ममंथन भी हो कि क्या यह हमें बेहतर मनुष्य बना रही है? यह समय इस वर्ष की गलतियों से सबक लेकर नए वर्ष में नए संकल्प के साथ प्रवेश करने का है। क्या आपके खान-पान और जगत-व्यवहार में शुद्धता है? क्या वेतना के तल पर आप ऊपर उठ पाए हैं? क्या आपके जीवन में आध्यात्मिकता है? इन प्रश्नों के जवाब अगर ना में हैं तो यही सही समय है कि आत्मचेतना के लिए भी सक्रिय हो।



लघुकथा / डॉ. गोलिका शर्मा

आभासी चक्रव्यूह

नववर्ष के संकल्पों की सूची बनाते हुए उसने तकनीकी दुनिया से मिली सहेलियता पर भी विचार किया। नए साल में अपनी दुनिया नई कर लेने के वादों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए बहुत से एप स्मार्ट फोन में डाउनलोड कर लिए। फोन की स्क्रीन पर पल-पल अवतरित हो वजन घटाने की युक्तियाँ

विकल्प भी किसी दूसरे एप में तलाशने की वचुंअल दौड़-धूप शुरू कर देता। यह नहीं तो वह, वह नहीं तो यह। कुछ ना करते हुए सब कुछ कर जाने का आभासी चक्रव्यूह असल जीवन को घेरने लगा। गति पकड़ने के गुर बताने वाले माध्यमों से जीवन कुछ और ठिठक-सा गया।

बेटे के स्वयं से किए वादों का दावे भर बनकर रह जाना देख मां ने संयत स्वर में एक दिन कहा, 'सोचने या चाहने भर से कुछ नहीं होता बेटा, नियमित समय और ऊर्जा लगाणा ही अपने लक्ष्य तक जाने का एकमात्र रास्ता है।' बेटे ने मां की ओर देखकर हामी भरी, 'हां मां, मैं समझ गया हूँ। यह सब भ्रम-सा ही है। स्क्रीन के इस ओर बैठकर जानी-समझी गई बातों के मायने भी तभी हैं, जब वास्तविक दुनिया में हम स्वयं

इन्हें लागू करने की ठानें। मां ने आशा भरी नजर से अपने बेटे को देखा और फिर बोली, 'अपने आपको या जिंदगी को बदलने की राह में असर तभी नजर आता है, जब सूचनाओं और जानकारीयों को जुटाने के साथ-साथ मन-जीवन में भी सक्रियता लाई जाए। बदलाव का मार्ग किसी एप में नहीं स्वयं अपने आप में है बेटे।' बेटे ने बरसों से सधी-सजग और सक्रिय दिनचर्या का पालन कर रही मां की ओर मुस्कुराकर देखा और स्क्रीन स्कॉल कर रहे अंगुठे को विराम दिया। फोन एक तरफ रख मन ही मन कुछ ठानते हुए वह कागज-कलम ले गंधीरता से अपनी समय सारिणी बनाने लगा। *



बताने वाले एप से लेकर मन की सेहत सुधारने के तरीके सुझाने वाले एप तक। कोई एप दिन की शुरूआत में ही सितारों की चाल जान लेने के लिए चुना तो कोई जीवनाशैली बदलने के गुर समझने के लिए। उसके उदाहरित युवा मन को ये एप्स झटपट कुछ कर जाना और उसका लेखा-जोखा रखने के माध्यम प्रतीत हुए।

साल का पहला सप्ताह स्क्रीन पर अवतरित होते सुझावों को समझते-गुनते ही बीत गया। स्क्रीन स्कॉल का वक्त घटने के बजाय और बढ़ गया। साथ ही कम हो गई लक्ष्य तक जाने, जो करने की ठानी है, उसे कर पाने की सक्रियता और प्रतिबद्धता। कोई संकल्प मुश्किल लगता तो मन उसका



बीत
अशोक 'अंजुन'

नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

तोड़ गया, अंदर तक रमको तोड़ गया, गया वर्ष जो उलझन अनगिनत छोड़ गया, तुम देना लिच्छर्व, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है! जो सव्याई की राहों के साथक है, मानवता के जो सव्ये आराधक है, वे पाएँ उत्कर्ष, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है! निर्बल का बल बनकर जो भी रहते हैं, जिन्के मन में करुणा के नद बहते हैं, उनको देना हर्ष, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है! सभके पथ पर सुंदर फूल खिलाना तुम, सबको जो अब गंजिल तक पहुंचाना तुम, सुफलिंत हों संघर्ष, तुम्हारा स्वागत है! स्वागत है, नववर्ष तुम्हारा स्वागत है!

आत्मप्रेरणा / बीके शिवानी, मोटिवेशनल स्पीकर

आध्यात्मिक संस्था ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़ी राजयोग मेडिटेशन शिक्षिका एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दुनिया भर के लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन में सार्थक और सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रेरित करती रहती हैं। नववर्ष के अवसर पर शिवानी बता रही हैं बेहतर, शांतचित और खुशहाल जीवन जीने के सूत्र।

नए संकल्प लें दृढ़ता से करें उन्हें पूर्ण

आध्यात्मिक प्रेरक वक्ता बीके शिवानी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 2007 में प्रसारित टीवी शो- 'अवेकनिंग विद ब्रह्मा कुमारी' के माध्यम से उन्होंने जनमानस को मानसिक तनाव, अवसाद आदि मानसिक विकारों से मुक्त होकर अपने आत्म-सम्मान को ऊंचा रखने एवं आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की प्रेरणा दी। 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित बीके शिवानी विश्व साइकैप्टिक एंसेसिएशन को गुडविल एम्बेसडर होने के अलावा फ्रॉन्सी (एफओजीएसआई) के अद्भुत मानुत्व कार्यक्रम से भी जुड़ी हैं। प्रस्तुत हैं उनके प्रेरक विचार, उन्हीं की जुवाणी।

नव वर्ष के मायने

नए वर्ष का मतलब होता है, पुराने को विदाई और नए को बधाई देना। पुरानी, कड़वी बातों, घटनाओं को भूल कर आगे बढ़ना। लेकिन क्या हम ऐसा कर पाते हैं? जवाब है-नहीं। अधिकतर लोग वर्षों तक इन कटु बातों को याद रखते हैं। मन पर बोझ लिए चलते रहते हैं और दुखी रहते हैं। जरूरी यह है कि हम पुराने साल को विदा करते समय ऐसी तमाम यादों, कामजोरियों को बिसारते जाएं। हरेक के प्रति शुभभावना रखें। लोगों को दुआएं दें, तो स्वयं को भी दुआ देना ना भूलें। नए, शक्तिशाली संकल्प लें और इन्हें दृढ़ता के साथ पूर्ण करें।

स्व-परिवर्तन सिखाता है

राजयोग ध्यान

राजयोग ध्यान द्वारा स्व-परिवर्तन की इस अद्भुत यात्रा को मुझे 25 वर्ष से अधिक हो गए हैं। गुजरते समय के साथ अपने भीतर छिपे अहंकार को आत्मिक स्वरूप के अभ्यास से परिवर्तित करने का प्रयास किया। यह यात्रा अब भी जारी है, क्योंकि आंतरिक शक्ति का विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। हमें किसी से कुछ मांगना नहीं, सिर्फ देना होता है। देने से आंतरिक शक्ति स्वयं ही बढ़ती जाती है। जो हम देते हैं, बदले में वही पाते हैं। यह सोच दुनिया को उस मान्यता से ठीक विपरीत है कि हम जो पाते हैं, वही सच है। इससे शांति, स्थिरता एवं स्वीकार्यता तीनों बढ़ती हैं। इच्छाएं खत्म होती जाती हैं और वर्तमान में रहने की आदत स्वाभाविक बन जाती है। हमारे ब्रह्मा कुमारीज में एक खूबसूरत कहावत है कि जब मैं बदलूंगी तो मेरी दुनिया भी बदलेगी। तमाम आध्यात्मिक सिद्धांत एवं पद्धति भी स्व में सुधार लाने पर ही जोर देते हैं। अर्थात् स्व का ध्यान रखें, स्व को जिम्मेदारी लें, स्व को सशक्त बनाएं, स्व को मान दें एवं स्व को प्रेम करें। ऐसा करने से हम आध्यात्मिक, भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक एवं सामाजिक पांचों रूपों में शक्तिशाली बनते जाते हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या बाह्य परिस्थिति के बदलने की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं पर ध्यान दें।

ऐसे रखें खुद को शांत

अशांत वातावरण में खुद को शांत रखने से पहले हमें समझना होगा कि कोलाहल हमारे आस-पास नहीं, बल्कि हमारे अपने मन के अंदर होता है। अगर सुबह ही हम अपने मन की स्थिति को ठीक कर लेते हैं और पूरा दिन थोड़ा-थोड़ा उसका ध्यान रखते रहते हैं, तो किसी भी परिस्थिति आने पर हम उसका स्थिर रहकर सामना कर पाते हैं। जैसे किसी फोन को सुबह

चार्ज करने के बाद उसके सैकड़ों फीचर्स पूरे दिन कार्य करते रहते हैं। लेकिन बैट्री अगर चार्ज ना हो, तो फिर फोन रखने का कोई उद्देश्य नहीं रह जाता है। उसी प्रकार, हमारी आत्मा भी एक बैट्री की तरह ही है, जिसे हम हर सुबह मेडिटेशन से चार्ज करना पड़ता है। इसके अलावा, जब हम कर्मयोग के स्वरूप में स्थित होकर कोई कार्य करते हैं, तो उसकी दिशा सही होती है। कहने का तात्पर्य है कि हर कर्म करते हुए हमें अपने वाइब्रेशंस का ध्यान रखना होता है।

कैसे मिलती है सच्ची खुशी

सच्ची खुशी तब मिलती है, जब हमारा मन हर परिस्थिति में स्थिर रहता है। यानी बाह्य संसार में कुछ भी घटित क्यों ना हो रहा हो, कोई व्यक्ति कुछ भी क्यों ना बोल रहा हो, आलोचना ही क्यों ना कर रहा हो, मन हलचल में नहीं आता है। विचलित नहीं होता है और हम खुश रहते हैं। इसी प्रकार, जब मन में सही विचार उत्पन्न होते हैं, तो हमें खुशी मिलती है। असल में खुशी हमारे भीतर ही छिपी है। वह प्रत्येक मनुष्य आत्मा का मूल एवं आंतरिक गुण है। विडंबना यह है कि आज मानव बाहरी दुनिया में खुशी तलाश रहा है। उसकी खुशी दूसरी पर निर्भर हो गई है। मनोनुकूल परिस्थिति ना होने पर वह दुखी, निराश हो जाता है। ऐसे में हम अगर अपनी स्व स्थिति पर ध्यान दें, तो खुश रहने से कोई रोक नहीं सकता है।

बच्चों-युवाओं के लिए संदेश

आजकल बच्चे, किशोर और युवा कई तरह की मानसिक समस्याओं का सामना करते दिखते हैं। हमें समझना होगा कि उनकी मानसिक समस्याओं के कई कारण हैं। पहला, वे अपने घरों में बड़ों को गुस्सा, तनाव, बेचैनी, चिंता आदि में घिरा देखते हैं। वही वाइब्रेशन उन्हें खुद भी अनुभव होती है। इसके अतिरिक्त, बाहरी जगत का नकारात्मक वातावरण उनके मन-मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसके अलावा, अभिभावकों एवं अन्य लोगों द्वारा बच्चों के अंदर निरंतर यह विचार डाला जाता है कि किसी परिस्थिति होगी, वैसे ही उनका मन होगा। परिणाम यह होता है कि बच्चों और युवाओं की भावनाएं बाह्य कारकों पर निर्भर करने लगती हैं। किसी को क्रोध आता है, तो वे भी गुस्सा करने लगते हैं। कोई निराश होता है, तो उन्हें भी वही महसूस होता है। इस प्रकार की भावनात्मक निर्भरता से उनका भावनात्मक स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। हालांकि, बच्चे या युवा अपनी दिनचर्या में सुधार लाकर इन तमाम समस्याओं से निजात पा सकते हैं। उनके बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि वे रात को समय से (दस बजे तक) सोएं। सोने से कम से कम एक घंटे पहले गैजेट्स से दूरी बना लें। इसके बदले सकारात्मक चीजें पढ़कर या सुनकर सोएं। तब नींद भी अच्छी आएगी और सुबह जल्दी उठ सकेंगे। इससे वे ऊर्जावान महसूस करेंगे। साथ में उनकी रचनात्मकता, स्पष्टता, निर्णय लेने की क्षमता सब बढ़ जाएगी। याद रखें कि आप जो पढ़ते, सुनते, देखते और बोलते हैं, उससे ही विचार उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा, टीवी या मोबाइल फोन देखकर खाना बंद करें। खाने से पहले मेडिटेशन के जरिए भोजन में सकारात्मक ऊर्जा भरें। हो सके तो घर का बना भोजन करें, जिसमें प्यार के वाइब्रेशन होते हैं और जो शुद्धता से बनाए जाते हैं। इन उपायों से उन्हें अवश्य लाभ होगा। *



नए वर्ष के दोहे

अखबारों में सुविध्यां, नया दिवस और रैन। मन ना गाने बता यह, पढ़ते थक गए नैन। श्रुते व जाते रहे, नए साल बर साल। यक्ष प्रबुध अब भी वही, कपड़ा, रोटी, दाल। नया कर्तु तो किसलिए, तुझको ऐ नववर्ष। वही पुरानी बेवसी, धियड़ा-धियड़ा हर्ष। श्राद्ध धर्मो, घेरे बुझे, जन-गण हैं बदलात। भूख, बरीबी, व्यथियां, दे गया गुनरा साल। नए साल में हिरखला था, एक नया इतिहास। क्या रिक्तवर्ष यह सोचते, बीते बार भास। कितने कानून, दौत गए, कितने श्रावण, भाव। नए मुखौटों में मिले, वही पुराने घाव। ट्रेष, डार श्री नकरते, अंभारों की नार। नया साल गर से सके, कर इनका उच्चारण। हे दिवना नववर्ष में, से ऐसा संयोग। भिटे देश की देह से, दशतगदी रोग।

रश्मि बड़े ध्यान से सूरज को देख रही थी। वह मन ही मन बुदबुदाई, 'सूरज तो कल जैसा ही है, तो फिर यह साल नया कैसे हो गया? मैं तो यह नहीं मानती कि कुछ भी नया है!'

तभी पीछे से आकर रश्मि की भाभी ने उसे चौंका दिया, 'सुबह-सुबह बहुत ध्यान से क्या देख रही हो रश्मि? क्या नया नजर आ रहा है आज?' 'नया ही तो कुछ नजर नहीं आ रहा है। कल से टीवी, अखबारों में सुन-पढ़ रही हूँ, नए साल का नया सूरज! पर यहाँ नया और नयापन जैसा कुछ भी नजर नहीं आ रहा। खैर! आपको नया साल मुबारक हो भाभी!' रश्मि ने उलझे स्वर में जवाब दिया। 'नयापन तो महसूस करना पड़ता है रश्मि। अगर हम इसे महसूस कर लें तो सब कुछ नयापन से भर जाएगा। हमारे भीतर उमंग की तरंग दौड़ने

नया सूरज

लगेगी। सूरज का नयापन हमें पहले से ज्यादा गर्माहट देगा। संबंधों का नयापन पहले से ज्यादा गहरा लगेगा। हमें अपने भीतर एक नई ऊर्जा महसूस होगी। भाभी ने रश्मि को समझाने की कोशिश की। यह सुनते ही रश्मि के शरीर में एक अजीब-सी सिहरन दौड़ गई। अभी तक जो सूरज उसे तेजहीन लग रहा था, अचानक उसकी आंखों के सामने दमकने लगा था। उसने भाभी को गले लगा लिया, बोली, 'भाभी, मुझे इस नए सूरज और नयापन का आभास कराने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद और नए साल की शुभकामनाएँ!'



विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में लाभार्थियों को दिया गया आवास योजना का प्रमाण पत्र

प्रखर ब्यूरो बिर्नो/गाजीपुर। क्षेत्र के शंखपुर गांव में रविवार को विकसित भारत संकल्प योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को भी ग्रामीणों को टेलीविजन के माध्यम से सुनाया और दिखाया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर लोगों को दवा का वितरण किया। तथा कृषि विभाग की टीम ने अपना स्टाल लगाकर लोगों को मोटे अनाज की खेती के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार योजना, सतत कृषि जैविक खेती, मुदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, तथा किसान क्रेडिट कार्ड एवं पीएम प्रणाम योजना के तहत लोगों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुनील सिंह ने कहा



कि देश को आजाद हुए 75 साल हो गए आप लोगों ने अनेक सरकारें देखी होगी लेकिन पहली बार सरकार चलकर आपके गांव में आई है ऐसा पहली बार हुआ है। यह बदलाव हुआ कैसे यह जानने की जरूरत है। किसी ने वर्ग विशेष

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में बदलाव आया जो राजनीतिक नहीं है बल्कि यह योगदान कार्य संस्कृति में बदलाव के चलते आया है। उन्होंने कहा कि जब मुख्यिया जागेगा तो देश चलेगा। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने ताली

विधवा पेंशन विकलांग पेंशन सहित अनेक योजना हो। कोई ऐसा परिवार नहीं है जिसे कोई न कोई योजना का लाभ न मिला हो। जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने कहा कि 2047 में देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देखा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चार जातियों के विकास को बात चल रही है जिसमें महिलाएं, किसान, गरीब, तथा युवा है। योजना विकसित भारत संकल्प योजना के संचालन से सरकारी योजनाओं से वंचित लोगों को लाभ मिलना चाहिए। अंत में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन रविवार को रोजा तिराहा पर नुकड़ नाटक के जरिये समाप किया गया। समापन के दौरान ए आर टी ओ सौम्या पांडेय ने वाहन चालकों को हैलमेट देकर उन्हे यातायात के प्रति जागरूक किया गया। वहीं ए आर एम बी के पांडेय द्वारा रोज देखा जाया के प्रति जागरूक किया गया। पांडेय ने बताया कि यातायात पखवाड़े के समापन में जहाँ पचास बाईक चालकों में हैलमेट वितरण किया गया, वहीं पखवाड़े के दौरान कुल पांच सौ हैलमेट वितरण किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने वाहन चालकों से अपील किया कि गाड़ी चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने से जहाँ आप सुरक्षित रहते हैं। कार्यक्रम में यातायात प्रभारी मनीष त्रिपाठी सहित अन्य जवान मौजूद रहे।

नुकड़ नाटक के जरिये हुआ सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन रविवार को रोजा तिराहा पर नुकड़ नाटक के जरिये समाप किया गया। समापन के दौरान ए आर टी ओ सौम्या पांडेय ने वाहन चालकों को हैलमेट देकर उन्हे यातायात के प्रति जागरूक किया गया। वहीं ए आर एम बी के पांडेय द्वारा रोज देखा जाया के प्रति जागरूक किया गया। पांडेय ने बताया कि यातायात पखवाड़े के समापन में जहाँ पचास बाईक चालकों में हैलमेट वितरण किया गया, वहीं पखवाड़े के दौरान कुल पांच सौ हैलमेट वितरण किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने वाहन चालकों से अपील किया कि गाड़ी चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने से जहाँ आप सुरक्षित रहते हैं। कार्यक्रम में यातायात प्रभारी मनीष त्रिपाठी सहित अन्य जवान मौजूद रहे।

सरस्वती देवी, सचिव अजय मिश्रा, संजय कुशवाहा अवधेश राजभर, प्रमोद राय। मोतीलाल, सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ताएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान धर्मेश शर्मा तथा संचालन विनोद गुप्ता प्रधान भइसर ने किया।



संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा पखवाड़े का हुआ समापन

प्रखर वाराणसी। सड़क सुरक्षा पखवाड़े का हुआ समापन यह कार्यक्रम 15 दिसंबर से 31 दिसंबर 2023 तक नागरिकों की सुरक्षा को देखकर चलाया गया सड़क पर कैसे चले,गलत लाइन में ना चले,शराब पीकर जाग न चलाए,चढ़ती बस में ना चढ़े, इन सब बारे में आम जनता को जागरूक किया गया समापन के दिन बाइक रैली निकाली गई जो पुलिस लाइन से शुरू होकर चौकाघाट कचहरी होते हुए फिर पुलिस लाइन पर आकर समाप्त हुई मुख्य अतिथि में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था चरम्या शिवाम्पि एवं विशिष्ट अतिथि विक्रंत वीर पुलिस आयुक्त यातायात वाराणसी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन गौरव मिश्रा ने किया।

अंशिका ने बढ़ाया क्षेत्र का मान : बांग्लादेश में हुए

अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में जीता मेडल

प्रखर जौनपुर। जनपद के रामपुर थाना के सिधवन गांव की निवासी अंशिका दुबे ने बांग्लादेश में हुए अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में देश के लिए सिल्वर पदक जीतकर पूरे क्षेत्र पर दवा गौरव बढ़ाया है। अंशिका के मेडल जीतने पर समुचित क्षेत्र में हर्ष की लहर है। आपको बता दे कि इससे पहले भी अंशिका उतराखंड में हुए अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुकी है। उनके इस जीत पर भदोही की तत्कालीन एसपी डॉ। मनीषा कात्यानी भी बच्ची से मिलकर सम्मानित कर चुकी हैं। अपनी इस छोट्टी सी उम्र में इस करियर में बेहतर कार्य कर रही हैं। जोकि क्षेत्र की बच्चियों के लिए एक मिशाल है।

खलीलाबाद शहर में समाजवादी पार्टी कार्यालय पर

लोक बंधु राज नारायण की 37वीं पुण्यतिथि मनाई गई

संतकबीरनगर। जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पुरानी सब्जी मंडी खलीलाबाद जनपद संत कबीर नगर में लोक बंधु राज नारायण जी की 37वीं पुण्यतिथि मनाई गई और उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम ने कहा कि श्री राजनारायण जहाँ अन्याय होते दिखा वे विरोध में खड़े हो जाते थे। डॉक्टर लोहिया के नेतृत्व उन्होंने समाजवादी आंदोलन में बह चढ़कर हिस्सा लिया। आजादी के आंदोलन में उन्होंने सक्रिय भागीदारी की थी। जनता पार्टी की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में राजनारायण जी ने गांव गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की पहल की थी। कार्यक्रम में उपस्थित लोकिच यादव, रामरेश यादव, जावेद खान, जयप्राम पाण्डेय, रामवृक्ष यादव, केडी यादव, रामकेश उर्फ बब्लू भंडारी, संतोष दास, राहुल यादव बादल, अवधेश यादव, राम भरसेस वारीसी, रमेश यादव, हनुमान कन्नौजिया, विजय यादव, सुशील यादव, प्रिया पाठक, शकुंतला यादव, डॉ।मालती, गुंजा यादव, ओमप्रकाश यादव, अविनाश कन्नौजिया, गामा यादव, प्रदीप यादव, रिसाज अहमद, गणेश शर्मा, मनोहर सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

गांव सभा की गार्जियन और समस्त गांव के

नौजवान के सहयोग से गांव सभा में अच्छे कार्य

करने का मौका मिल रहा है - राकेश कुमार सिंह



एलपीजी टैंकर आगजनी मामला : दूसरे दिन भी पूरी तरह बंद रही रिग रोड जले टैंकर को हटाने में जुटे रहे दमकल व क्रेन के कर्मचारी

प्रखर मिर्जापुराद वाराणसी। थाना क्षेत्र के रखीना रिग रोड के दक्षिणी लेन पर शनिवार शाम चार बजे कार को बचाने में एलपीजी टैंकर पलट गयी और उसमें आग लग गयी थी,आगजनी के बाद रखीना रिग रोड सहित राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बंद कर दिया गया था,दमकल की दर्जनों गाड़ियों ने मौके पर पहुँच किसी तरह बीती रात साढ़े ग्यारह बजे आग पर काबू पाया। मौके पर कमिश्नरेंट पुलिस व अग्निशमन सहित इंडियन ऑयल के सभी अधिकारी कर्मचारी पहुँचे हुए थे।आग इतनी भयावह थी कि तीन किलोमीटर के दायरे में आग की

लपटें दिखाई दे रही थी,आस पास के तीन गाँवों के लोगों में दहशत ब्याप्त था।रखीना गाँव के लोग अपने अपने घरों को छोड़कर दूर सिवान में शरण ले लिए थे जब



आग बुझी तो सभी लोग चैन की सांस लिए। रविवार सुबह भी पूरी तरह रिग रोड को दोनों लेन बन्द थी और जले हुए एलपीजी टैंकर को हटाने के लिए दमकल व क्रेन के कर्मचारी युद्धस्तर से जुटे हुए

है।जहाँ पर टैंकर जली है वहाँ की सड़कें व नीचे खेत की दशा बदल गयी थी।प्राप्त जानकारी के मुताबिक पटना से एलपीजी गैस टैंकर लेकर सुल्तानपुर निवासी राजेश पाल प्रयागराज के लिए निकला था वह शनिवार को जैसे ही रखीना रिग रोड पहुँचा था कि तभी तेज रफतार एक कार टैंकर को ओवरटेक किया जिसे बचाने के चक्कर में एलपीजी टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गयी।आग लगा देख चालक राजेश पाल कुदरक अपनी जान बचाया और स्थानीय पुलिस सहित दमकल को सूचना दिया था।

सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के सानिध्य में धर्मपुरा गांव में ग्रामीणों ने सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात

प्रखर संतकबीरनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 108 वें एपिसोड का रविवार को खलीलाबाद के धर्मपुरा गांव में सजीव प्रसारण हुआ। इस दौरान मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव और सदर विधायक अंकुर राज तिवारी की अगुवाई में तमाम गणमान्य और स्थानीय ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बातों को ध्यानपूर्वक से सुना। इस मौके पर सदर विधायक अंकुर राज तिवारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम में हेल्वी रहे फिट रहे की संकल्पना का संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष 2024 की शुरुआत करने के लिए फिटनेस से बड़ा और कोई मंत्र नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने आगामी वर्ष 2024 की शुभकामनाएं भी दी हैं। साइड ही अकेलूस को लेकर भी युवाओं को संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि 140 करोड़ भारतीयों की ताकत है कि हमारे देश ने कई विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं। जिसकी बदौलत हमारा देश तरक्की की नई इबारत लिख रहा है। इसी भावना से आगे भी हम लोगों को काफ़ी करना होगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से स्थानीय लोगों ने तमन्यता से सुना है उससे यही लगता है कि लोगों में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास काफी बढ़ा है। इस समय देश व प्रदेश जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और लोगों को सीधे तौर पर इसका लाभ भी प्राप्त हो रहा है। जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव ने बताया कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को पूरी दिल्लगी से सुनती है और उसका अनुसरण भी करती है। इसकी प्रमुख वजह

यह है कि आज देश में जितनी भी कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं वह जनता के हित के लिए है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री जी देशवासियों को संबोधित कर संदेश देते हैं उससे देशवासियों और हम लोगों को काफी प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर भाजपा उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र मिश्रा, उपायुक्त राज कुमार शर्मा, राम नयन शर्मा, राधेश्याम गुप्ता, छेदी यादव, दिनेश चौबे, फूल कुमार, योगेंद्र चौधरी, रविंद्र चौधरी, राजेश उपाध्याय, प्रधान मैना देवी आदि मौजूद थे।

अक्षत कलश शोभायात्रा निकाली गई

अयोध्या जाने के लिए दिया गया निमंत्रण

प्रखर हाटा -कुशीनगर। अयोध्या से पूजित अक्षत कलश को लेकर रविवार को सुबह हाटा नगर पहुंचा। जहाँ नगरवासियों ने जोरदार तरीके से स्वागत कर तिलक लगाया और अक्षत को लेकर पूरे नगर में एक शोभा यात्रा निकाली गयी। जहाँ नगरवासियों के द्वारा फूलों की बर्षा किया गया। वही नगर के सभी मंदिरों को 22 जनवरी को सजाने व अपने घरों में दीपोंसव भी मनाने का अग्रह करते हुवे अयोध्या जाने का निमंत्रण दिया गया। इस शुभ अवसर पर हाटा विधायक मोहन वर्मा, पूर्व विधायक पवन कंडिया, नगर अध्यक्ष रामानन्द सिंह, पुर्व नगर अध्यक्ष पणू नथानी, नगर कार्यवाह अर्जुन बरनवाल, प्रचारक अंचल, सह विभाग संघ चालक चंद्रशेखर, जिला कार्यवाह देवेन्द्र, नमो सेना जिला अध्यक्ष मनीष रागत, बबलू जयसवाल, रणजीत सिंह, रामबचन सिंह, कंचन सिंह, सुमन शुक्ला, संगीता कुशवाहा, अरुणेश मणि, रितुराज सोलंकी, मिथिलेश दुबे, मनीष राव, आदित्य, अभिनंदन, आशीष, रंजीत, अंकित आदि रहे।

मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाया, रामराज्य की हो रही है स्थापना : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो जखनिया/ गाजीपुर। आज भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने बूथ संख्या 209 पर मन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ का 108वाँ संस्करण रेडियो पर कामगार महिलाओं व युवाओं के साथ सुना। इस अवसर पर प्रमोद वर्मा ने कहा वास्तव में माननीय प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से हम सबको ऊर्जा मिलती है। देश के लिए कुछ कर जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। वर्मा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' की बातों को आत्मसाथ करते हुवे देशवासियों का नव वर्ष की शुभकामनाएं दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारी साझा यात्रा का 108वाँ एपिसोड है, हमारे यहाँ 108 अंक का महत्व, उसकी पवित्रता एक गहन अध्ययन का विषय है, साथ ही कहा कि भारत इन्वेंशन का हब बन रहा है, देश आर/वर्मानिर्भरता की भावना से भरा है। वर्मा ने कहा माला में 108 मन के, 108 बार जप, 108 दिव्य क्षेत्र, मंदिरों में 108 सौंदर्या, 108 घंटियाँ, 108 का ये अंक आसीम आस्था से जुड़ा हुआ है। इसलिए

मन की बात का 108वाँ एपिसोड सबके लिए और खास हो गया है। उन्होंने कहा भारत इन्वेंशन का हब बन रहा है, देश आत्मनिर्भरता की भावना से भरा है, ये 140 करोड़ भारतीयों की ताकत है कि इस वर्ष हमारे देश ने कई विशेष उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत का कोना-कोना आत्मविश्वास से भरा



हुआ है। विकसित भारत की भावना से, आत्मनिर्भरता की भावना से ओत-प्रोत है। 2024 में भी हमें इसी भावना और मोमेंटम को बनाए रखना है। भारत का इन्वेंशन हब बनना, इस बात का प्रतीक है कि हम रुकने वाले नहीं हैं। 2015 में हम ग्लोबल इन्वेंशन इंडेक्स में 81वें रैंक पर थे, आज हमारी रैंक 40 है। इस वर्ष भारत में फाइल होने वाले पेटेंट की संख्या ज्यादा रही है,

जिसमें करीब 60% डोमेस्टिक फंड के थे।

भारत के प्रयास से 2023 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इंटरनेशनल इंयर ऑफ मिलेट्स के रूप में मनाया गया। इससे इस क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप को बहुत सारे अवसर मिले हैं। मोदी ने कहा काशी-तमिल संगम में हिस्सा लेने के लिए हजारों लोग तमिलनाडु से काशी पहुंचे थे, इस अवसर पर अ Tool तकनीकी की सहायता से उनसे उनकी भाषा में संवाद हो सका और उनकी बातों को आत्म कर सका यह बहुत अच्छा लगा। वर्मा ने कहा प्रधानमंत्री ने सभी लोगों से फिट इंडिया से जुड़ने की बात कही और अपने सेहत पर विशेष ध्यान देने को कहा। वर्मा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हद निशायी व्यक्ति हैं वह जो सोचते हैं, कहते हैं, उसको जरूर करते हैं। आज उनकी हद इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि अयोध्या दिव्य और भव्य दिख रही है और

जमुना सेवा सदन हारस्पिटल में रोटी गंगा द्वारा मल्टी स्पेशलिटी कैंप का आयोजन, मरीजों को जांच और उपचार हुआ निःशुल्क

प्रखर वाराणसी। रोटी क्लब वाराणसी गंगा द्वारा रोटी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट -3120 द्वारा डिजीज प्रीवेंशन मंथ माह के अवसर पर मल्टी स्पेशलिटी कैंप जिसमें आँख, हड्डी रोग, स्त्री रोग, हृदय रोग, डायबिटीज एवं जनरल हेल्थ चेकअप कैम्प रो. डॉक्टर अश्वनी टंडन, रो. डॉक्टर स्मृता टंडन, डॉक्टर आकाश टंडन, डॉक्टर परनिका टंडन द्वारा जमुना सेवा सदन शिवपुर में 31 दिसंबर रविवार को किया गया। मल्टी स्पेशलिटी कैंप पर सभी लोगों को जांच किए गए प्राथमिक उपचार किया गया एवं दवा भी प्रदान की गई शिविर के संचालक एवं जमुना सेवा सदन के प्रबंध निदेशक डॉ. अश्वनी टंडन ने कहा कि रोटी क्लब द्वारा स्त्री रोग, हृदय रोग एवं जनरल हेल्थ चेकअप कैम्प प्रत्येक मरीजों को विगत कई वर्षों से निःशुल्क संचालित किए जा

रहे हैं। डॉक्टर की जांच की एवं यह घोषणा की जो भी नेत्र रोगी आज ऑपरेशन योग्य पाए जाएंगे उनकी निःशुल्क नेत्र चिकित्सा की जाएगी इस उद्देश्य से कहा कि आज



से प्रत्येक मंगलवार को जरूरतमंदों के लिए नेत्र संबंधी इलाज निःशुल्क किए जाएंगे। डॉक्टर रिमता टंडन एवं डॉक्टर परनिका टंडन, स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा रोगियों की जांच की गई एवं कहा कि

रोटी गंगा द्वारा कई कैंप यहां पर आयोजित किए गए हैं और आगे भी इसे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक हरे कृष्ण कक्कड़, अरविंद जैन, प्रदीप मल्होत्रा, डॉक्टर बी पी तिवारी ने

अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की रोटीरियन अशोक अरोड़ा अध्यक्ष द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन किया गया अग्रवाल चार्टर अध्यक्ष द्वारा किया गया।

पिपरा कला में शैलेश कुमार राजभर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सुनी मोदी के मन की बात

प्रखर संतकबीरनगर। मोदी के मन की बात 108 वें संस्करण को समिर्थावा खलीलाबाद सन्त कबीर नगर के ग्राम पिपरा कला में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारियस जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय राजभर संगठन सेक्टर अध्यक्ष पुण्यात्मा जायसवाल एवं ग्रामीणों द्वारा आयोजित करके सुनाया गया आयोजन के मुख्य अतिथि शैलेश कुमार राजभर प्रवासी सेक्टर प्रभारी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन ने मन की बात 108 वें संस्करण को सेक्टर अध्यक्ष पुण्यात्मा जायसवाल बूथ अध्यक्ष मोहन निषाद व सैकडों ग्रामीणों के साथ सुना एवं कहा कि भारतीय

जनता पार्टी के नीतियों को देवतुल्य महान कार्यकर्ताओं और देवतुल्य उजर्वाण कार्यकर्ताओं के उत्साह के बल पर पुनः 2024 में प्रचण्ड बहुमत से तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बनेंगे और राष्ट्र विश्व गुरु और परम वैभव को प्राप्त करते हुए विकसित राष्ट्र होगा आगे कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात को ग्रामीण अपना मूल्यवान समय निकालकर उमंग और उत्साह जमा लगाकर ध्यान से सुन रहे हैं और मन की बात पर अमल व चर्चा करते हुए नरेंद्र मोदी जी से प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं यह इस बात को प्रमाणित करता है कि नरेंद्र मोदी जी 2024 में भी भारी बहुमत से जीतकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और विश्व के शक्तिशाली देशों में भारत राष्ट्र को विश्व का अग्रणी शक्तिशाली राष्ट्र बनायेंगे इस अवसर पर सेक्टर अध्यक्ष पुण्यात्मा जायसवाल, मोहन निषाद, जनपदायन गोंड, जशदीश निषाद, सुनील मौर्य, आशीराम मौर्य आदि रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरुण सिंह'

द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'

सकलबाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001

से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

<p>सम्पादकीय कार्यालय:</p> <p>9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001</p>	<p>सम्पर्क सूत्र:</p> <p>0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452848802</p>
--------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट

Email ID: prakharpurnavanchal.com

https://prakharpurnavanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं